

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित

# TGT

प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी/शिक्षक  
भर्ती परीक्षा – 2022



## गृह विज्ञान

12 | सॉल्ड प्रैक्टिस सैट्स  
एवं 04 सॉल्ड पेपर्स  
(2021, 2019, 2016, 2013)

– रोली द्विवेदी

Code	Price	Pages
CB555	₹ 149	184

## विषय-सूची

<b>Student's Corner</b>	<b>पृष्ठ संख्या</b>
◎ Agrawal Examcart Help Centre	iv
◎ Best Strategy परीक्षा की तैयारी करने का सही तरीका!	v
◎ Current Affairs! की 100% सटीक तैयारी कैसे करें ?	vi
◎ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा पाठ्यक्रम	vii

### सॉल्व्ड पेपर्स

➤ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2021 गृह विज्ञान हल प्रश्न-पत्र	1-13
➤ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2016 गृह विज्ञान हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 09-03-2019)	1-17
➤ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2013 गृह विज्ञान हल प्रश्न-पत्र	18-33
➤ प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2011 गृह विज्ञान हल प्रश्न-पत्र (परीक्षा तिथि : 06-06-2016)	34-48

### प्रैक्टिस सेट्स

1-133

➤ प्रैक्टिस सेट-1	1-10
➤ प्रैक्टिस सेट-2	11-21
➤ प्रैक्टिस सेट-3	22-31
➤ प्रैक्टिस सेट-4	32-43
➤ प्रैक्टिस सेट-5	44-54
➤ प्रैक्टिस सेट-6	55-65
➤ प्रैक्टिस सेट-7	66-75
➤ प्रैक्टिस सेट-8	76-86
➤ प्रैक्टिस सेट-9	87-97
➤ प्रैक्टिस सेट-10	98-109
➤ प्रैक्टिस सेट-11	110-121
➤ प्रैक्टिस सेट-12	122-133

# प्रशिक्षित स्नातक चयन परीक्षा, 2011

## गृह विज्ञान

### (हल प्रश्न-पत्र)

परीक्षा तिथि : 6 जून, 2016

1. हमारे शरीर में कुल कितना जल तरल पदार्थ के रूप में कोशिकाओं में रहता है?

(A) 25%                    (B) 50%  
 (C) 70%                    (D) 80%

1. (C) हमारे शरीर में 70% जल तरल पदार्थ के रूप में कोशिकाओं में रहता है। जीवधारियों के शरीर की समस्त जैविक क्रियाएँ जल की उपस्थिति में ही होती हैं।

2. विटामिन  $B_3$  को कहते हैं—

(A) राइबोफ्लोविन                    (B) पैटोथीनिक अम्ल  
 (C) पिरोडॉक्सिन                        (D) नियासिन

2. (D) विटामिन  $B_3$  अन्य विटामिन की तरह शरीर के लिए महत्वपूर्ण होता है। यह विटामिन पाचन, मस्तिष्क और त्वचा के लिए आवश्यक होता है। विटामिन  $B_3$  को विज्ञान जगत में नियासिन (Niacin) के नाम से भी जाना जाता है। विटामिन  $B_3$  'निकोटिनिक एसिड' (Nicotinic acid) और 'निकोटिनेमाइड' रसायन से मिलकर बनता है। शरीर इन दोनों रसायनों को अन्य दो तरह के रसायन (NAD/एनएडी और NADP/एनएडीपी) के उत्पादन के लिए इस्तेमाल करता है। एनएडी और एनएडीपी रसायन शरीर के अंदर विभिन्न प्रकार की रासायनिक प्रतिक्रियाओं में भूमिका निभाते हैं और कोशिकाओं को चयापचय (मेटार्बालिज्म) प्रक्रिया में मदद करते हैं।

3. मरास्मस रोग निम्न की कमी से होता है—

(A) प्रोटीन तथा कैलोरी  
 (B) प्रोटीन  
 (C) कैलोरी  
 (D) उपर्युक्त सभी

3. (A) मरास्मस, प्रोटीन और ऊर्जा के कुपोषण का प्रकार है, जो शरीर में प्रोटीन और कैलोरी की अत्यधिक कमी से उत्पन्न होता है। मरास्मस वयस्क और बच्चों दोनों को हो सकता है।

4. सोयाबीन में निम्न प्रोटीन पाया जाता है—

(A) ग्लूटिन                                (B) ल्यूसिन  
 (C) लेक्टलाब्यूमिन                    (D) ग्लार्डिसिन

4. (D) सोयाबीन में ग्लार्डिसिन नामक प्रोटीन पाया जाता है। यह पूर्ण प्रोटीन है। ग्लूटिन गेहूँ में पाया जाता है लेक्टलाब्यूमिन प्रोटीन दूध में पाया जाता है। अमीनो अम्ल प्रोटीन की छोटी इकाई है। जात खाद्य पदार्थों में सोयाबीन में सर्वाधिक मात्रा में प्रोटीन उपस्थित होता है। मध्य प्रदेश में सर्वाधिक सोयाबीन का उत्पादन किया जाता है।

5. निर्णय लेने की प्रक्रिया का सही क्रम बताइये—

(i) समस्या की व्याख्या करना  
 (ii) विकल्प चुनना  
 (iii) वैकल्पिक समाधान का प्रयास करना  
 (iv) निर्णय के लिए जिम्मेदारी लेना  
 (v) विकल्पों पर विचार करना  
 (A) (i), (ii), (iii), (iv), (v)  
 (B) (i), (iii), (v), (ii), (iv)  
 (C) (v), (ii), (i), (iv), (iii)  
 (D) (ii), (iii), (iv), (i), (v)

5. (B) निर्णय प्रक्रिया जितनी महत्वपूर्ण होती है उतनी ही जटिल भी होती है। यही कारण है कि प्रशासनिक क्षेत्र में लोग विशेष रूप से निर्णय लेने में संकोच करते हैं क्योंकि कोई भी गलत निर्णय देश या सार्वजनिक हित के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। इसके अतिरिक्त, प्रशासनिक निर्णयों के द्वारा हर किसी को प्रसन्न कर पाना एक अत्यन्त दुष्कर कार्य है। 'निर्णय' का शाब्दिक अर्थ है— 'अन्तिम परिणाम पर पहुँचना', जबकि व्यावहारिक दृष्टिकोण से इसका अर्थ है 'निष्कर्ष पर पहुँचना।'

आर.ए. विलियम्स (R.A. Williams) के अनुसार— "निर्णय विभिन्न विकल्पों के चुनाव की एक सरलतम विधि है।"  
 जॉर्ज आर. टेरी (George R. Tarry) के शब्दों में— "निर्णय किसी एक कसौटी पर आधारित दो या दो से अधिक सम्भावित विकल्पों में से एक का चयन है।"

निर्णयन से आशय निर्धारित तक्ष्य की प्राप्ति के लिए उपलब्ध विकल्पों में से सर्वश्रेष्ठ विकल्प का चयन करने से है। निर्णय लेने की प्रक्रिया का सही चरण इस प्रकार है— समस्या की व्याख्या

↓

वैकल्पिक समाधान का प्रयास करना

↓

विकल्पों पर विचार करना

↓

विकल्प चुनना

↓

निर्णयन के लिए जिम्मेदारी लेना

6. शिक्षा के विस्तार के छ: मूल क्रम क्या हैं?

(i) इच्छा  
 (ii) विश्वास  
 (iii) रुचि  
 (iv) ध्यान देना  
 (v) कार्यवाही  
 (vi) सन्तुष्टि  
 (A) (iv), (iii), (i), (ii), (v), (vi)  
 (B) (i), (ii), (iv), (vi), (ii), (v)  
 (C) (iv), (iii), (i), (v), (ii)  
 (D) (ii), (i), (iv), (iii), (vi), (v)

6. (A) शिक्षा का मानव जीवन में बहुत महत्व है। इसे ग्रहण करने हेतु विशेष बातों पर ध्यान देना होता है।

शिक्षा के विस्तार के छ: मूल क्रम हैं—

(i) ध्यान देना; (ii) रुचि; (iii) इच्छा;  
 (iv) विश्वास; (v) कार्यवाही; (vi) सन्तुष्टि

आदि।

7. निम्न खाद्य वर्ग में से मुख्य खाद्य वर्ग कौन-सा है?

(A) फल व सब्जियाँ                    (B) गेहूँ व मोटे अनाज  
 (C) धी व तेल                                (D) अंडे व मास

7. (B) भारत की अधिकांश जनसंख्या मध्य वर्ग से संबंध रखती है ऐसे में उसके लिए खाद्यान्नों का अत्यधिक महत्व है।

उपर्युक्त खाद्य वर्ग में से गेहूँ व मोटे अनाज मुख्य खाद्य वर्ग हैं। भोजन बनाते समय

गुहिणी को प्रत्येक वर्ग में से खाद्य पदार्थ अवश्य लेना चाहिए जिससे प्रमुख पोषक तत्व सही संतुलन में प्राप्त हो जाते हैं।

8. प्रसार शिक्षा में मूल्यांकन साधन है, परखने का—  
 (A) शोध अध्ययन  
 (B) विश्वसनीयता  
 (C) संचार प्रणाली  
 (D) कार्यालय अभिलेख
8. (D) प्रसार शिक्षा में मूल्यांकन कार्यालय अभिलेख को परखने का साधन है। प्रसार शिक्षा हेतु दृश्य-श्रव्य साधनों का प्रयोग किया जाता है।
9. प्रसार शिक्षक माध्यम से गाँवों में जागरूकता फैलाना तथा उसका मूल्यांकन किया जाता है—  
 (A) कार्य करने की आदतों को बदलना  
 (B) श्रम बचत साधनों का प्रयोग  
 (C) कार्य मूलक स्थान का संगठन  
 (D) कार्य सक्रियता में निपुणता विकसित करना
9. (A) कार्य सरलीकरण का अर्थ है—कार्य करने की आदतों को बदलना अर्थात् काम का ढंग इस प्रकार का हो कि कम-से-कम समय और शक्ति को व्यय कर हम अपना अधिक-से-अधिक काम पूरा कर लें।
10. समय प्रबन्धन का एक यंत्र है—  
 (A) कार्य इकाई (B) कार्य वक्र  
 (C) समय मानक (D) समय योजना
10. (B) कार्य वक्र समय प्रबन्धन प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण यंत्र है। इसके अन्तर्गत कार्यों को ग्राफ पेपर पर वक्र के रूप में प्रदर्शित करके समय को नियोजित तरीके द्वारा प्रबन्धित किया जाता है।
11. बी.ए. गृहविज्ञान की 100 छात्राओं द्वारा प्राप्त अंकों का औसत किस प्रकार प्रयोग किया जाना चाहिये?  
 (A) बहुलक (B) माध्यिका  
 (C) ए.एम (D) जी.एम
11. (B) माध्यिका की परिभाषा—यदि असंसाधित आँकड़ों के मानों को वर्धमान अथवा ह्रास मान परिमाण के क्रम में रखा जाये, तो इस व्यवस्था के बिल्कुल बीच के मान को माध्यिका कहा जाता है। इस तरह, अवर्गीत आँकड़ों की माध्यिका का अभिकलन इस प्रकार किया जाता है। चरण (i)—विचार के मानकों को परिमाण के क्रम में रखा जाता है। चरण (ii)—सबसे बीच के मानकों को माध्यिका माना जाता है।

यदि असंसाधित आँकड़ों में मानों की संख्या यदि विषम (Odd) हो, तो इन्हें परिमाण के क्रम में रखने पर  $(n+1/2)$ वाँ मान माध्यिका होगा। ऐसी स्थिति में माध्यिका का एक और केवल एक मान होगा।

दूसरी ओर, यदि सम (even) हो, तो परिमाण के क्रम में रखे गये आँकड़ों के सबसे बीच के दो मान, अर्थात्  $(n/2)$  वें और  $(n+2/1)$ वें मान होंगे। इस स्थिति में सबसे बीच के इन दो मानों में से किसी मान को माध्यिका माना जा सकता है। परन्तु निश्चितता की दृष्टि से इन दो मानों के समान्तर माध्य को माध्यिका माना जाता है।

समान्तर माध्य की तरह माध्यिका के भी कुछ निम्नलिखित उत्तम गुणधर्म हैं—

(1) इसका अभिकलन सरलता से किया जा सकता है और इसे आसानी से समझा जा सकता है।

(2) यदि सम हो तो सबसे बीच के दो मानों का माध्य लेने पर माध्यिका का एक और केवल एक मान प्राप्त होता है।

(3) जहाँ समान्तर माध्य पर चरम मानों का काफी प्रभाव होता है वहाँ माध्य पर चरम मानों का कोई प्रभाव नहीं होता।

बी.ए. गृह विज्ञान की 100 छात्राओं द्वारा प्राप्त अंकों का सर्वोत्तम औसत प्रयोग माध्यिका होती है। माध्यिका की गणना से मध्य में स्थित संख्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त होती है।

12. किसी भी अध्ययन से सम्बन्धित मूलभूत शोधकार्य के समूह को कहते हैं—

- (A) संदर्भिका
- (B) साहित्य पुनरावलोकन
- (C) परिशिष्ट
- (D) भूमिका

12. (A) किसी भी अध्ययन से संबंधित मूलभूत शोधकार्य के समूह को संदर्भिका कहते हैं। संदर्भिका के अन्तर्गत शोध कार्य से संबंधित सभी प्रकार के समूहों का उल्लेख किया जाता है।

13. ऐसी स्थिति जिसमें स्तरबद्ध नमूना चयन के तरीके प्रभावकारी होते हैं, वे हैं—

- (A) शिक्षण संस्थायें
- (B) ग्रामीण क्षेत्र
- (C) शहरी मिलिन बस्ती
- (D) भूमिका

13. (B) ग्रामीण क्षेत्र की स्थिति में स्तरबद्ध नमूना चयन का सबसे प्रभावकारी तरीका होता है।

14. डिम्ब अवस्था है—

- (A) गर्भाधान से दो सप्ताह तक
- (B) तीसरे सप्ताह से दूसरे माह तक
- (C) तीसरे माह के प्रारम्भ से जन्म लेने तक
- (D) स्त्री का अण्डाण

14. (A) डिम्ब अवस्था गर्भाधान से दो सप्ताह हत्तक की अवस्था है। इस अवस्था में शिशु का आकार अण्डानुमा होता है, जिसमें बाहर कोई विशेष परिवर्तन नहीं दिखाई देता है, परन्तु अन्दर कोष्ठ विभाजन की क्रिया चलती रहती है।

डिम्बावस्था या गर्भास्थिति, शुक्राणु एवं डिम्ब के संयोग के समय से लेकर दो सप्ताह तक मानी जाती है। इस अवस्था में कोष्ठों का विभाजन होता है। जाइगोट या सिंचित डिम्ब में महत्वपूर्ण परिवर्तन होने लगते हैं। कोष्ठों के भीतर खोखलापन विकसित होने लगता है। संसेचितडिम्ब, डिम्बवाहिनी नलिका द्वारा गर्भाशय में आ जाता है, गर्भाशय में पहुँचने पर इसका आकार हुक के समान हो जाता है।

गर्भाशय में कुछ दिनों पश्चात् यह इसकी सतह का आधार लेकर चिपक जाता है यहाँ पर गर्भ अपना पोषण माता से प्राप्त करने लगता है। कभी-कभी डिम्ब, डिम्ब वाहिनी नलिका से ही चिपककर वृद्धि करते हैं। इस प्रक्रिया को आरोपण कहते हैं।

आरोपण हो जाने के पश्चात् संयुक्त कोष एक परजीवी हो जाता है तथा जन्म पूर्व का काल वह इसी अवस्था में व्यतीत करता है। डिम्बावस्था तीन कारणों से महत्वपूर्ण है—प्रथम, निसेचित अण्ड गर्भाशय में आरोपित होने से पूर्व निष्क्रिय हो सकता है। द्वितीय, आरोपण गलत स्थान पर हो सकता है तथा तृतीय, आरोपण होना सम्भव नहीं हो सकता है।

15. स्वस्थ सामान्य शिशु की लम्बाई होती है—

- (A) 6-8 इंच (B) 18-20 इंच
- (C) 20-40 इंच (D) 8-10 इंच

15. (B) स्वस्थ सामान्य शिशु की लम्बाई 18-20 इंच के मध्य होती है। जन्म के समय नवजात शिशु की औसत लम्बाई 19.5

- इंच होती है। अक्सर जन्म के समय लड़के, लड़कियों की अवेक्षा अधिक लम्बे होते हैं।
16. शारीरिक विकास “सिर से पैर की ओर होता है” विकास का यह नियम कहलाता है—  
 (A) मस्काधोन्मुखी (B) निकट-दूर  
 (C) सामान्य विशेष (D) अवस्थानुसार
16. (A) शारीरिक विकास “सिर से पैर की ओर होता है।” विकास का यह नियम मस्काधोन्मुखी नियम कहलाता है।
17. पूर्व किशोरावस्था की उम्र है—  
 (A) 12-14 वर्ष (B) 14-18 वर्ष  
 (C) 13-17 वर्ष (D) 18-21 वर्ष
17. (C) किशोरावस्था एडोलसेन्स नामक अंग्रेजी शब्द का हिन्दी रूपान्तरण है जिसका अर्थ है परिपक्वता की ओर बढ़ना। इस समय बच्चे न छोटे बच्चों की श्रेणी में आते हैं और न ही बड़े या अपने शब्दों में कहें तो ये छोटे से बड़े बनने की प्रक्रिया की समयावधि से गुजरते हैं। जर्सिल्ड नामक मनोवैज्ञानिक ने किशोरावस्था का अर्थ परिभाषित करते हुए लिखा है, “किशोरावस्था वह अवस्था है जिससे मनुष्य बाल्यावस्था से परिपक्वता की ओर बढ़ता है।” किशोरावस्था 11 से 18 वर्ष के बीच की मानी जाती है। कुछ मनोवैज्ञानिक इसे तानाव, तूफान एवं विरोध की अवस्था भी मानते हैं। इस अवस्था में किशोर एवं किशोरियों में नाना प्रकार के शारीरिक और मानसिक परिवर्तन होते हैं।
18. “विकासात्मक कार्य वे कार्य हैं, जो किसी प्राणी के जीवन की निश्चित आयु पर ही प्रकट होते हैं, इन क्रियाओं की सफलतापूर्वक प्राप्ति से प्रसन्नता होती है तथा अगली अवस्था के कार्यों को सीखने में सफलता मिलती है।” परिभाषा दी है—  
 (A) बी. हालॉक (B) हैविधर्स्ट  
 (C) डी.एन.श्रीवास्तव (D) पियाजे
18. (A) बी. हालॉक के अनुसार, “विकासात्मक कार्य वे कार्य हैं, जो किसी प्राणी के जीवन की निश्चित आयु पर ही प्रकट होते हैं, इन क्रियाओं की सफलतापूर्वक प्राप्ति से प्रसन्नता होती है तथा अगली अवस्था के कार्यों को सीखने में सफलता मिलती है।”
19. जब दमित संवेगों की अभिव्यक्ति सृजनात्मक एवं सांस्कृतिक क्रियाओं द्वारा की जाती है तो उसे कहते हैं—  
 (A) शारीरिक रेचन
- (B) मानसिक रेचन  
 (C) स्वतंत्र अभिव्यक्ति  
 (D) संवेगात्मक रेचन
19. (B) जब दमित संवेगों की अभिव्यक्ति सृजनात्मक एवं सांस्कृतिक क्रियाओं द्वारा की जाती है, तो उसे मानसिक रेचन कहते हैं। जीवन में संवेग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है तथा व्यक्ति के वैयक्तिक एवं सामाजिक विकास में संवेगों का योगदान होता है। लगातार संवेगात्मक असन्तुलन/अस्थिरता व्यक्ति की वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करती है तथा अनेक प्रकार की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को उत्पन्न करती है। दूसरी ओर संवेगात्मक रूप से स्थिर व्यक्ति खुशहाल, स्वस्थ एवं शान्तिपूर्ण जीवन व्यतीत करता है। अतः संवेग व्यक्ति के व्यक्तित्व के सभी पक्षों को प्रभावित करते हैं। अंग्रेजी का ‘Emotion’ शब्द लैटिन भाषा के शब्द ‘Emovere’ से लिया गया है। ‘Emovere’ का अर्थ होता है—Stir up, to agitate या to excite अर्थात्—उत्तेजित होना। संवेग एक जटिल भाव की अवस्था होती है जिसमें कुछ खास-खास शारीरिक व ग्रन्थीय क्रियाएँ होती हैं।” बोरान, बर्न तथा कैंटोविल (1980) के अनुसार—“संवेग से तापर्य एक ऐसी आत्मनिष्ठभाव की अवस्था से होता है जिसमें कुछ शारीरिक उत्तेजना पैदा होती है और फिर जिसमें कुछ खास-खास व्यवहार होते हैं।”
20. मैगेलोब्लास्टिक अनीमिया निम्न की कमी से होता है—  
 (A) लोहा (B) प्रोटीन  
 (C) फोलिक अम्ल (D) साइनोकोबालमिन
20. (C/D) मैगेलोब्लास्टिक अनीमिया रोग साइनोकोबालमिन (विटामिन B<sub>12</sub>) तथा फोलिक एसिड (विटामिन B<sub>2</sub>) की कमी से होता है। विटामिन B<sub>12</sub> और फोलिक एसिड, डी.एन.ए. के निर्माण और कोशिका विभाजन हेतु आवश्यक होते हैं। अतः इनकी उत्पत्ता के कारण अपरिपक्व लाल रक्त कणिका का विभाजन नहीं हो पाता जिससे RBC (लाल रक्त कणिका) का आकार सामान्य से बड़ा होना ही मैगेलोब्लास्टिक अनीमिया कहलाता है।
21. उच्च रक्त दाब से पीड़ित रोगी को देना चाहिए—  
 (A) अधिक प्रोटीन युक्त आहार  
 (B) कम रेशा का आहार  
 (C) कम सोडियम आहार  
 (D) कम असंतुल वसीय अम्ल आहार
21. (C) उच्च रक्त चाप वाले रोगी को कम सोडियम युक्त आहार लेने की सलाह इसलिए दी जाती है कि अधिक सोडियम युक्त आहार रक्त चाप बढ़ा देता है। ऐसे में यदि उच्च रक्त चाप वाला व्यक्ति यदि अधिक सोडियम युक्त आहार का सेवन करेगा तो उसे हृदय घात तथा हृदय से जुड़ी अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।
22. घर में प्रबन्ध कहलाता है—  
 (A) केवल कार्य करना  
 (B) परिवार के मुखिया की जिमेदारी  
 (C) पारिवारिक साधनों का प्रयोग  
 (D) पारिवारिक लक्ष्य प्राप्ति के लिए साधनों का प्रयोग
22. (D) पारिवारिक लक्ष्य की प्राप्ति हेतु साधनों का उपयोग घर में प्रबन्ध कहलाता है। गृह-व्यवस्था की सफलता इसमें निहित है कि किसी परिवार ने अपने लक्ष्यों की प्राप्ति किस सीमा तक की है। क्योंकि लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु उचित व्यवस्था अति आवश्यक है।
23. रेयान से बने वस्त्र धोते समय धीरे-धीरे हाथों से दबाने और मलने की क्रिया का प्रयोग करते हैं क्योंकि—  
 (A) इसकी सतह बहुत चिकनी होती है  
 (B) यह अधिक स्थाई होती है  
 (C) पानी से भोगने से इसकी ताकत कम हो जाती है  
 (D) इसमें प्राकृतिक चमक है
23. (C) पानी से रेयान की शक्ति नष्ट हो जाती है। जब यह गीला किया जाता है तो यह 70% शक्ति खो देता है, अर्थात् कमज़ोर हो जाता है। अतः धोते समय यह फट नहीं जाये, इसके लिए बहुत सावधानी रखने की आवश्यकता होती है।
24. जब दो या दो से अधिक पूर्क रंग किसी पोशाक में लगाये जायें तो प्रत्येक रंग पहले से अधिक—  
 (A) चमकदार लगेगा (B) फीका लगेगा  
 (C) गहरा लगेगा (D) हल्का लगेगा
24. (C) हमारे दृश्यात्मक अनुभव का महत्वपूर्ण पक्ष वर्ण बोध होता है। जब दो या अधिक

पूरक रंग किसी पोषाक में लगाये जाते हैं तो प्रत्येक रंग पहले से अधिक गहरा प्रतीत होता है। वस्त्र संयोजन में प्रत्येक रंग का उचित स्थान होना अति आवश्यक है।

- 25.** आदिवासी क्षेत्रों से सम्बन्धित एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है—  
 (A) ए.डी.पी (B) टी.डी.पी.  
 (C) ओ.आर.टी. (D) पी.एच.सी
- 25.** (B) आदिवासी क्षेत्रों से सम्बन्धित एक राष्ट्रीय कार्यक्रम टी.डी.पी. है। सरकार द्वारा समय-समय पर अनेक राष्ट्रीय कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं।
- 26.** एटी बेरी-बेरी फैक्टर कहलाता है—  
 (A) विटामिन B<sub>2</sub> (B) विटामिन B<sub>5</sub>  
 (C) विटामिन B<sub>1</sub> (D) विटामिन B<sub>6</sub>
- 26.** (C) विटामिन B<sub>1</sub> एटी बेरी-बेरी फैक्टर कहलाता है। विटामिन B<sub>1</sub> को थायमिन कहते हैं। इसकी कमी से बेरी-बेरी नामक रोग हो जाता है।  
 बेरी-बेरी रोग दो प्रकार का होता है—  
 (1) शैशव बेरी-बेरी—गर्भावस्था या स्तनपान अवस्था में जब स्त्री के आहार में बी-1 की कमी रहती है तो बच्चों में ये लक्षण दिखायी देते हैं।  
 1. कब्ज, वमन, अतिसार।  
 2. शरीर में एडीमा।  
 3. हृदय आकार का बढ़ना।  
 4. सांस लेने में कठिनाई होने पर बच्चा नीला पड़ जाता है और उसकी मौत भी हो जाती है।  
 (2) वयस्क बेरी-बेरी—यह दो प्रकार की होती है—  
 1. सूखी बेरी-बेरी—इसमें निम्न लक्षण दिखायी देते हैं—  
 1. शरीर में पानी का कम होना।  
 2. मांसपेशियों का कमज़ोर होना।  
 3. त्वचा में संवेदनशीलता कम होने के कारण आघात की सम्भावना बढ़ जाती है—  
 2. गीली बेरी-बेरी—इसमें निम्न लक्षण दिखायी देते हैं।  
 1. शरीर में एडीमा का होना।  
 2. सांस लेने में कष्ट होना।  
 3. हृदय की धड़कन का बढ़ जाना या बन्द हो जाना एवं मृत्यु हो जाना।

27. प्रारम्भ के दो दिन माँ के स्तन से निकलने वाला गाढ़ा पीला दूध कहलाता है—

- (A) प्रोलैक्टिन (B) थॉइरोक्सिन  
 (C) कार्टिंजोन (D) कोलस्ट्रम

27. (D) प्रारंभ के दो दिन माँ के स्तन से निकलने वाले गाढ़े पीले दूध को कोलस्ट्रम कहते हैं। कोलस्ट्रम प्रोटीनयुक्त तरल पदार्थ होता है। इसको पाने से शिशु की पाचन-क्रिया बढ़ जाती है तथा इसे ग्रहण करने से शिशु रोगों से सुरक्षित रहता है। शिशु को जन्म देने के पश्चात् माँ के स्तनों में तीन दिन तक साफ पीले रंग का द्रव निकलता है जिसे नव दुर्ग या कोलस्ट्रम कहते हैं। यह बालक को रोग प्रतिरोधक शक्ति प्रदान करता है।

28. किस अवस्था में विटामिन A की आवश्यकता न्यूनतम होती है—

- (A) पूर्व बाल्यावस्था  
 (B) बाल्यावस्था  
 (C) किशोरावस्था  
 (D) वृद्धावस्था

28. (A) पूर्व बाल्यावस्था में विटामिन 'A' की आवश्यकता न्यूनतम होती है। विटामिन 'A' शरीर की वृद्धि में सहायक होता है तथा आँखों की दृष्टि रंगों के संश्लेषण में भाग लेती है। विटामिन 'A' एक सहएन्जाइम के रूप में भी कार्य करता है।

29. ICMR के अनुसार विटामिन डी की दैनिक मात्रा एक गर्भवती महिला के लिए होनी चाहिए—

- (A) 10 µg या 400 IU  
 (B) 5 µg या 200 IU  
 (C) 2 µg या 80 IU  
 (D) 4 µg या 160 IU

29. (A) ICMR के अनुसार विटामिन डी की दैनिक मात्रा एक गर्भवती महिला के लिए 10 µg या 400 IU होनी चाहिए। यह वसा में युलनशील है तथा ताप सहिष्णु होता है। यह प्राणी वसा में यह जाता है। अशक्त हड्डियों के विकास हेतु विटामिन डी की आवश्यकता पड़ती है, इसका प्रमुख कार्य है शरीर में कैल्शियम तथा फॉस्फोरस के मध्य संतुलन बनाए रखना। शरीर में इसकी कमी से रिकेट्स (सूखारोग) हो जाता है। वयस्क लोगों में विटामिन डी की दैनिक आवश्यकता 200 यूनिट तथा बच्चों एवं गर्भवती स्त्रियों में इसकी आवश्यकता 800 यूनिट होती है। यह

एक महत्व की बात है कि सूर्य की किरणों और त्वचा से प्राप्त प्राकृतिक तेल की अन्तःप्रक्रिया द्वारा शरीर स्वयं इस विटामिन के निर्माण में सक्षम है। यही कारण है कि विटामिन डी सम्बन्धी अपनी आवश्यकता का अधिकांश भाग शरीर स्वयं उत्पादित कर लेता है तथा इसके लिए वह आहार पर निर्भर नहीं रहता। दूध, वनस्पति तेल व अण्डे इसके स्रोत हैं।

30. प्रोटीन के च्यापच्य का मुख्य पदार्थ होता है—

- (A) आयोडीन (B) यूरिया  
 (C) कार्बोहाइड्रेट (D) ग्लाइकोजन

30. (B) यूरिया प्रोटीन के च्यापच्य का मुख्य पदार्थ होता है। यकृत आवश्यकता से अधिक अमीनो अम्लों का विखण्डन कर अमोनिया को यूरिया में परिवर्तित करता है जो कि उत्सर्जन तंत्र द्वारा बाहर निकाल दिये जाते हैं।

प्रोटीन अपने आप में एक कार्बनिक यौगिक है, जो विभिन्न अमीनो अम्लों से बना है। प्रोटीन में मुख्य रूप से कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन तथा नाइट्रोजन होते हैं। इसके अतिरिक्त प्रोटीन के कुछ प्रकारों में फॉस्फोरस तथा सल्फर की भी अल्प-मात्रा विद्यमान होती है। प्रोटीन में उपस्थित मुख्य अवयवों की प्रतिशत मात्रा इस प्रकार होती है—कार्बन 50 प्रतिशत, हाइड्रोजन 7 प्रतिशत, ऑक्सीजन 23 प्रतिशत, नाइट्रोजन 16 प्रतिशत, सल्फर 0.3 प्रतिशत तथा फॉस्फोरस 0.3 प्रतिशत।

31. मानव शरीर में कितने खनिज लवणों की आवश्यकता होती है?

- (A) 18 (B) 22  
 (C) 20 (D) 24

31. (D) मानव शरीर में 24 प्रकार के खनिज लवणों की आवश्यकता होती है। हमारे शरीर में 4-5% अंश इन्हीं खनिज लवणों का होता है। इन्हें लघुत्व भी कहते हैं।

यह शरीर में कार्बनिक एवं अकार्बनिक अणुओं एवं आयनों के रूप में होते हैं। शरीर में पाये जाने वाले मुख्य खनिज लवण इस प्रकार हैं—

1. गंधक—गंधक युक्त एमीनो एसिड प्रोटीन निर्माण में सहायक है।
2. कैल्शियम—फॉस्फोरस के साथ मिलकर हड्डियों व दाँतों के निर्माण में सहायक।

3. फॉस्फोरस—कोशिका कला की संरचना हेतु फॉस्फोलिपिड का निर्माण।
4. सोडियम तथा पोटैशियम—कोशिका के अन्दर तरल की मात्रा को नियंत्रित करना।
5. क्लोरीन—पाचन रस में हाइड्रोक्लोरिक अम्ल का मुख्य अवयव।
6. लौह—ऑक्सीजन संवहन, हीमोग्लोबिन का प्रमुख भाग।
7. आयोडीन—थॉरेंर्किसन हार्मोन का प्रमुख अवयव, उपापचय पर नियंत्रण।
8. मैंगनीज—वसीय अम्लों का ऑक्सीकरण।
9. मॉलिब्डेनम—नाइट्रोजन द्वारा नाइट्रोजनस्थिरीकरण में सहायक।
32. निम्न में से किस तन्तु में पानी सोखने की क्षमता का अभाव होता है?
- (A) सिल्क (B) ऊन  
(C) सूती (D) नायलॉन
32. (D) नायलॉन के तन्तु में किसी प्रकार के रस्ते नहीं होते। अतः इनमें नमी सोखने की क्षमता नहीं होती है। इस गुण के कारण नायलॉन के वस्त्र धोने के पश्चात् जल्दी ही सूख जाते हैं।
33. अण्डे से कीड़ा बनने तक की अवस्थाओं का कौन-सा क्रम सही है?
- (A) अण्डा-प्यूपा-लार्वा-कीड़ा  
(B) अण्डा-लार्वा-प्यूपा-कीड़ा  
(C) प्यूपा-लार्वा-अण्डा-कीड़ा  
(D) कीड़ा-अण्डा-लार्वा-प्यूपा
33. (B) अण्डे से कीड़ा बनने तक की अवस्था का क्रम है। अण्डा-लार्वा-प्यूपा-प्यूपा कीड़ा।
34. इनको कृत्रिम रेशम भी कहते हैं—
- (A) रेयान (B) नायलॉन  
(C) डेक्रान (D) ऑरलान
34. (A) रेयान को कृत्रिम रेशम भी कहते हैं। इसका मुख्य कारण इसकी रेशम के समान चमक तथा रेशम से कम कीमत ही है। रेयान को कृत्रिम रेशम समझा जाता है।
35. कौन-सा जानवर ऊन प्राप्ति का स्रोत नहीं है?
- (A) भेड़ (B) ऊँट  
(C) हिरण (D) बकरी
35. (C) हिरण ऊन प्राप्ति का स्रोत नहीं है। सर्वाधिक ऊन भेड़ों से प्राप्त की जाती है। भेड़ों के अतिरिक्त बकरी, ऊँट तथा खरगोश आदि पशुओं से भी ऊन प्राप्त की जाती है। मैरिनो नामक भेड़ की ऊन सबसे अच्छी मानी जाती है।
36. कपास तन्तु अनुप्रस्थ काट में दिखाई देता है—
- (A) गोलाकार (B) आयताकार  
(C) चौड़ा (D) लंबा
36. (D) कपास के तन्तु की अनुप्रस्थ काट ली जाये तो उसके बीचों-बीच एक लम्बी नली सी दिखाई देती है। यदि कपास के किसी तन्तु को अनुदैर्घ्य काट में देखा जाये तो इसकी रचना चपटे बल खाये हुए फीटे के समान दिखती है।
37. कपास उत्पादन में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाला देश कौन-सा है?
- (A) भारत (B) अमेरिका  
(C) चू-एस.ए. (D) चीन
37. (A) भारत प्रतिवर्ष 61,88,000 टन उत्पादन मात्रा के साथ दुनिया का सबसे बड़ा कपास उत्पादक है जबकि चीन 6,17,831 टन वार्षिक उत्पादन के साथ दूसरे स्थान पर है।
38. कौन स्वनिर्मित रेशम नहीं है?
- (A) मूँगा रेशम (B) लेपेटा रेशम  
(C) कटा हुआ रेशम (D) अरण्डी रेशम
38. (B) रेशम कीट अपनी प्यूपा अवस्था में शरीर के चारों ओर रेशमी धागा बनाकर अपने आपको धागे के बीच बंद कर लेता है जिसे कोया कहते हैं। इस प्रकार रेशम का धागा ‘कीट के कोया’ से प्राप्त किया जाता है। रेशम का धागा प्रोटीन है जबकि, कपास एवं जूट का सूत सेल्यूलोज का बना होता है। मुख्य रूप से रेशम दो प्रकार का पाया जाता है—(i) स्वनिर्मित रेशम (ii) उत्पादित रेशम। स्वनिर्मित रेशम तीन प्रकार का होता है—(अ) मूँगा रेशम (ब) अरण्डी रेशम (स) टसर रेशम।
39. भारत में सर्वोच्च सिल्क उत्पादन का क्षेत्र है—
- (A) कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर  
(B) कोलकाता  
(C) हैदराबाद  
(D) चेन्नई
39. (A) भारत में सर्वोच्च सिल्क उत्पादन के क्षेत्र कर्नाटक तथा जम्मू-कश्मीर हैं। भारत में रेशम की सभी पाँच जात वाणिज्यिक किस्मों मलबरी, ट्रापिकलट्सर, ओक टसर, इरी तथा मूँगा रेशम के उत्पादन में भारत को एकाधिकार प्राप्त है। कर्नाटक
- देश का सर्वाधिक रेशम (41%) उत्पादन करता है तथा आन्ध्र प्रदेश देश का 35% रेशम उत्पादन करता है। भारत के कुल रेशम उत्पादन में सेमलबरी किस्म के रेशम का उत्पादन 89%, इरी किस्म के रेशम का उत्पादन 8.6%, टसर किस्म के रेशम का 2% तथा मूँगा किस्म के रेशम का उत्पादन 0.4% होता है। विश्व के कुल रेशम उत्पादन में भारत का हिस्सा 18% है। देश के कुल रेशम उत्पादन का लागभग 50% कर्नाटक में होता है इसके बाद क्रमशः आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और परिचम बंगाल का नंबर आता है। भारत के कुल कपड़ा निर्यात में रेशमी वस्त्रों का हिस्सा 3% है।
40. मेरीनो ऊन कहाँ सबसे अच्छा पाया जाता है?
- (A) यूरोप (B) जापान  
(C) चीन (D) भारत
40. (\*) मेरीनो ऊन, मेरीनो भेड़ से प्राप्त एक प्राकृतिक तथा पतली फाइबर है। यह अपनी कोमलता, महीन, मजबूती लाचीलेपन, उत्कृष्ट करता है तथा नरमदार बना सकने के गुणों के कारण सुप्रसिद्ध है। विश्व में सबसे उत्कृष्ट मेरीनो ऊन ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैण्ड में पाया जाता है। ऑस्ट्रेलियाई मेरीनो ऊन की गुणवत्ता अत्यधिक उच्च, रेशे की मोर्टाई 15-25 माइक्रोन होती है।
41. ये तन्तु लम्बे, अविरल होते हैं और मीटर में मापे जाते हैं—
- (A) रेशा (B) तंतु रेशा  
(C) स्ट्रॉवर्स्ट (D) डबीस्ट
41. (B) सूत या तंतु रेशे परस्पर जुड़े रेशों की एक निरन्तर लम्बाई है, जो कपड़े के उत्पादन, सिलाई, क्रोशिये से बुनाई, कढ़ाई और रस्सी बनाने आदि के लिए उपयुक्त हैं। ये तन्तु रेशे अविरल तथा लम्बे होते हैं, जिन्हें मीटर से मापा जाता है। सूत अनेक प्लाइयों से मिलाकर बने होते हैं। प्रत्येक प्लाई एक एकल कटा हुआ सूत होती है।
42. कॉट्सवूल किसको मिलाकर तैयार किया जाता है?
- (A) कच्चा ऊन (B) कपास तथा धागा  
(C) सूती तथा ऊनी (D) केवल ऊन
42. (C) कॉट्सवूल, सूती तथा ऊनी तन्तुओं को मिलाकर बनाया जाता है। मिश्रित रेशे से निर्मित वस्त्र में दो या तीन तन्तु उपस्थित होते हैं।

- 43.** वस्त्रों को चिकना करना कहलाता है—  
 (A) कैलेण्डरिंग      (B) सैन्फोराइजिंग  
 (C) टेन्टरिंग      (D) क्रेपिंग
- 43.** (A) वस्त्रों को चिकना करने की प्रक्रिया कैलेण्डरिंग कहलाती है। यह एक यान्त्रिक परिमज्जा है। किसी वस्त्र पर यह क्रिया सबसे अन्त में की जाती है। सैद्धान्तिक रूप से कैलेण्डरिंग वस्त्र को इस्तरी करने के समान है।
- 44.** वाट रंजक का उदाहरण है—  
 (A) इंडिगो      (B) हल्दी  
 (C) काला नमक      (D) नमक
- 44.** (A) इंडिगो वाट रंजक का उदाहरण है। यह एक प्रकार के पौधे की पत्तियों से बनाई जाती है। इसे साधारण विधि से तैयार किया जाता है। यह नीले वस्त्र पर मंद नीला रंग लाती है। वाट रंजकों का प्रयोग ऐसे वस्त्रों पर किया जाता है, जो अधिकतर पहनने के काम में आते हैं।
- 45.** सर्वाधिक स्टार्च पाया जाता है—  
 (A) आरारोट      (B) चावल  
 (C) रोटा      (D) आलू
- 45.** (A) आरारोट में सर्वाधिक स्टार्च पाया जाता है। स्टार्च में कार्बन, हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन पाया जाता है। यह पौधों से बनता है। वस्त्रों में कलफ देने पर वस्त्रों में कड़कपन आ जाता है।
- 46.** रेयान वस्त्रों के धब्बों को छुड़ाने के लिए प्रयोग करना चाहिये—  
 (A) रासायनिक      (B) भौतिक  
 (C) प्राकृतिक      (D) साबुन
- 46.** (A) रेयान वस्त्रों के धब्बों को छुड़ाने हेतु रासायनिक विधि का प्रयोग करना चाहिए। रेयान के वस्त्रों को धोने से पूर्व यह जान लेना अति आवश्यक है कि पदार्थों की क्या प्रतिक्रिया होती है। सामान्यतः ऐसे वस्त्रों से धब्बे हटाने में एल्युमिनियम हाइड्रॉक्साइड का उपयोग किया जाता है।
- 47.** परिसज्जा का उद्देश्य है—  
 (A) आर्कर्चक बनाना  
 (B) आसानी से धोना  
 (C) आसानी से सूखना  
 (D) आसानी से मलना
- 47.** (A) परिसज्जा से वस्त्र के दोष मिट जाते हैं तथा उसकी विशेषताएँ स्पष्ट हो जाती हैं। परिणामस्वरूप, बाजार में उसका अधिक मूल्य प्राप्त हो सकता है। परिसज्जा द्वारा किसी वस्त्र को अधिक चमकीला, मजबूत तथा धोने पर न सिकुड़ने वाला बनाया जा सकता है, क्योंकि वस्त्र जब करघे पर मशीनों पर बुनकर आता है तो वह खुरदुरा, गंदा तथा दाग-धब्बे वाला होता है, उसका परिष्करण आवश्यक होता है। अतः कहा जा सकता है कि कपड़ा बुनने के बाद उसे निखारने के लिए जो प्रक्रिया अपनाई जाती है वह परिसज्जा कहलाती है।
- 48.** रंगों का चमकदार या धुँधलापन कहलाता है—  
 (A) मूल्य      (B) तीव्रता  
 (C) ह्यू      (D) क्रोमा
- 48.** (D) रंगों का चमकदार या धुँधलापन क्रोमा अथवा घनत्व कहलाता है। घनत्व अथवा क्रोमा वर्ण की शुद्धता से उत्पन्न होता है। जो वर्ण जितना अधिक शुद्ध होगा, उतना ही अधिक उसमें घनत्व होगा। अधिक घनत्व से वर्णों में चमक आ जाती है।
- 49.** माँसपेशियों में निम्न एकत्र होने से शारीरिक थकान उत्पन्न होती है—  
 (A) ऑक्सीजन व लैंबिट्रिक अम्ल  
 (B) साइट्रिक अम्ल  
 (C) कार्बन डाइ-ऑक्साइड  
 (D) नाइट्रोजन और लैंबिट्रिक अम्ल
- 49.** (C) माँसपेशियों में कार्बन डाइ-ऑक्साइड व लैंबिट्रिक अम्ल एकत्र होने से शारीरिक थकान होती है। माँसपेशियों के निरन्तर कार्य करने पर ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। किण्डवन के फलस्वरूप लैंबिट्रिक अम्ल का निर्माण होता है। लैंबिट्रिक अम्ल बनने से अंकुचन क्षमता प्रभावित होती है।
- 50.** (Angel's) एंजिल्स ने निम्न के बजट से कोई प्रावधान नहीं रखा है—  
 (A) आय      (B) व्यय  
 (C) बजट      (D) मूल्यांकन
- 50.** (C) एंजिल्स द्वारा प्रतिपादित बजट सम्बन्धी नियम के अन्तर्गत बचत का उल्लेख नहीं है।
- 51.** जैसे-जैसे आय में वृद्धि होती है निम्न पर होने वाले व्यय का प्रतिशत घटता जाता है—  
 (A) दवा      (B) भोजन  
 (C) आवास      (D) वस्त्र
- 51.** (B) एंजिल्स के नियम के अनुसार जैसे-जैसे आय में वृद्धि होती है परिवार द्वारा भोजन एवं खाद्य-सामग्री पर किये जाने वाले व्यय का प्रतिशत घटता जाता है।
- 52.** संप्रेषण प्रक्रिया में ग्रहणकर्ता शास्त्रिक और अशास्त्रिक संदेश का विश्लेषण करता है जो प्रेषक भेजता है उसे कहते हैं—  
 (A) कोडिंग      (B) डिकोडिंग  
 (C) एनकोडिंग      (D) प्रीकोडिंग
- 52.** (B) संप्रेषण अंग्रेजी में Communication शब्द लैटिन भाषा के communis से निकला है। communis का अर्थ है, common अर्थात् दो व्यक्तियों के बीच साझा। Communication का अर्थ है दो व्यक्तियों के बीच में समझ का एक साझा आधार बनाना। इसका अर्थ हुआ कि संप्रेषण तभी पूर्ण माना जाएगा जब दो व्यक्ति एक ही भाव, विचार, सन्देश या कथन को एक ही तरीके से समझें। दूसरे शब्दों में, संप्रेषण का अभिप्राय दोनों व्यक्तियों के बीच एक सी समझ पैदा करना है। हिंदी में संप्रेषण, समप्रेषण से मिलकर बनता है, जिसका अर्थ समान विचार पैदा करना है। इसे संदेशवाहक या संचार भी कहते हैं। संप्रेषण प्रक्रिया में, ग्रहणकर्ता प्रेषक द्वारा भेजे गये शास्त्रिक और अशास्त्रिक संदेश का विश्लेषण करता है, उसे डिकोडिंग कहते हैं।
- 53.** गरीबी रेखा की गणना की जाती है—  
 (A) प्रति व्यक्ति आय  
 (B) कुल पारिवारिक आय  
 (C) कुल भूमि  
 (D) कुल जायदाद
- 53.** (A) गरीबी रेखा की गणना प्रति व्यक्ति आय द्वारा की जाती है। यह गरीबी रेखा भारत में गरीबी के मापन के लिए एक बेंच मार्क का काम करती है। गरीबी रेखा को आय के उस अनुमानित न्यूनतम स्तर के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो परिवार को जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं

<p>को पूरा करने में सक्षम हो। 2014 तक गरीबी रेखा का निर्धारण ग्रामीण इलाकों में ₹ 32 रुपए प्रतिदिन और कस्बों तथा शहरों में ₹ 47 प्रतिदिन के हिसाब से निर्धारित की गई थी। यह गरीबी रेखा भारत में गरीबी के मापन के लिए एक बेंच मार्क का काम करती है।</p>	<p>(C) 120/90 mm Hg (D) 120/80 mm Hg</p> <p><b>54.</b> (D) हमारी रक्त वाहिनियों पर पड़ने वाले रक्त के दबाव को रक्तचाप या ब्लडप्रेशर कहा जाता है। इसकी माप सफैमोमैनोमीटर द्वारा की जाती है। एक सामान्य व्यक्ति के लिए आदर्श ब्लड प्रेशर 120/80 mm Hg माना जाता है। इसमें पहली (ऊपर) संख्या को सिस्टोलिक ब्लडप्रेशर कहा जाता है, क्योंकि यह हृदय की धड़कनों (सिस्टोल) के समय ब्लड प्रेशर को दिखाता है। दूसरी</p>	<p>संख्या को डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर कहा जाता है, क्योंकि यह हृदय के तनाव-युक्त रहने के समय (डायस्टोल) के ब्लड प्रेशर की सूचना देता है।</p>
<p>54. वयस्क के लिए सामान्य सिस्टोलिक व डायस्टोलिक रक्त दाब है— (A) 140/100 mm Hg (B) 220/80 mm Hg</p>	<p><b>55.</b> भूरी क्रांति सम्बन्धित है— (A) गेहूँ (B) तेल तथा तेलबीज (C) फूल (D) उर्वरक</p>	<p><b>55.</b> (*) भूरी क्रांति या धूसर क्रांति का सम्बन्ध उर्वरक उपयोग में वृद्धि से सम्बन्धित है, जबकि पीली क्रांति का सम्बन्ध तिलहन उत्पादन से है। गेहूँ, चावल आदि हरित क्रांति के अन्तर्गत आने वाली फसलें हैं।</p>
<p><b>क्रांति का नाम</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>हरित क्रांति (Green Revolution)</li> <li>श्वेत क्रांति (White Revolution)</li> <li>पीली क्रांति (Yellow Revolution)</li> <li>नीली क्रांति (Blue Revolution)</li> <li>गुलाबी क्रांति (Pink Revolution)</li> <li>काली क्रांति (Black Revolution)</li> <li>धूसर क्रांति (Grey Revolution)</li> <li>रजत क्रांति (Silver Revolution)</li> <li>सुनहरी क्रांति (Golden Revolution)</li> <li>इन्द्रधनुषी क्रांति (Rainbow Revolution)</li> <li>सदाबहार क्रांति</li> <li>गोल क्रांति (Round Revolution)</li> </ol>	<p><b>क्षेत्र</b></p> <p>खाद्यान्न उत्पादन से सम्बन्धित थी।</p> <p>दुग्ध उत्पादन से सम्बन्धित है।</p> <p>खाद्य तेलों और तिलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए</p> <p>मत्स्य उत्पादन में वृद्धि के लिए चलाई गयी थी।</p> <p>यह व्याज और झाँगा मछली के उत्पादन से सम्बन्धित है।</p> <p>पेट्रोलियम/खनिज तेलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए एथेनोल का उत्पादन भी बढ़ाया जायेगा। इसका सम्बन्धित कोयला उत्पादन से भी है।</p> <p>उर्वरक उत्पादन में वृद्धि का लक्ष्य</p> <p>भारत में अंडा उत्पादन और मुर्गियों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए</p> <p>इसका सम्बन्ध बागवानी उत्पादन में वृद्धि से है जिसमें फल विशेषकर सेव उत्पादन। इसे शहद उत्पादन से भी जोड़ा जाता है।</p> <p>इसमें हरित, पीली, नीली, लाल, गुलाबी, धूरी, धूसर और अन्य सभी क्रांतियों को साथ लेकर चलने का लक्ष्य है।</p> <p>इसका उद्देश्य देश की मिट्टी को उन्नत बनाना, किसानों को लोन दिलाना, रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं कृषि शोध को बढ़ाना है।</p> <p>इसका सम्बन्ध देश में आलू के उत्पादन को बढ़ाना है।</p>	<p><b>तथ्य</b></p> <p>इसके कारण गेहूँ और धान की पैदावार में अच्छी वृद्धि हुई थी।</p> <p>इसकी शुरुआत 1964-65 में हुई जिसे आगे ऑपरेशनफ्लड़' कहा गया।</p> <p>भारत, तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बन गया है। 2013-14 में 32.9 मिलियन टन तिलहन का उत्पादन हुआ था।</p> <p>2013-14 में भारत में 95.8 लाख टन मछली का उत्पादन हुआ था। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश बन गया है।</p> <p>भारत विश्व का सबसे बड़ा झाँगा मछली उत्पादक देश बन गया है।</p> <p>पेट्रोल में एथेनोल को 10% मिलाकर बायोडीजल बनाने का लक्ष्य है।</p> <p>इसी क्रांति के कारण देश में 25.5 मिलियन टन उर्वरक की खपत हो रही है।</p> <p>भारत की मुर्गी एक वर्ष में 65 अंडे देती है, जबकि अमेरिका में 295 अंडे। भारत में आंध्र प्रदेश अण्डे का सबसे बड़ा उत्पादक है।</p> <p>भारत में बागवानी उत्पाद GDP में 31% योगदान देता भारत सब्जी और फल उत्पादन में विश्व में दूसरा स्थान रखता है।</p> <p>जुलाई 2000 में नयी नीति को लागू किया गया है, इसी को इन्द्रधनुषी क्रांति कहा गया है।</p> <p>इसके माध्यम से देश को पूरी तरह खाद्यान्न में निर्भर बनाना है।</p> <p>भारत, चीन के बाद विश्व का दूसरा सबसे अधिक आलू उत्पादक देश है। भारत में सबसे अधिक आलू उत्पादक उत्तर प्रदेश है।</p>

56. अतिसार, त्वचाशोध और अवसाद के लक्षण हैं—

- (A) चर्मग्राह (B) जिहवाशोध  
(C) क्वाशियोवार (D) मैसासमस

56. (A) अतिसार, त्वचाशोध और अवसाद चर्मग्राह रोग के लक्षण हैं। विटामिन B<sub>5</sub> या (निकोटीनिक अम्ल) की कमी से चर्मग्राह या पेलाग्रा नामक रोग हो जाता है।

नायसिन की कमी से पेलेग्रा नामक रोग हो जाता है, इसलिये इस विटामिन को पेलेग्रारोधक विटामिन (Pellagra Preventing Factor) कहा जाता है। पेलेग्रा के लक्षण पेलेग्राको Three 'D' Disease भी कहा जाता है। इसमें निम्न लक्षण दिखायी देते हैं—

1. चर्मरोग— शरीर के जिन भागों पर सूर्य की रोशनी पड़ती है, त्वचा लाल हो जाती है। वहाँ सूजन, खुजली और जलन होने लगती है।
2. अतिसार—नायसिन की कमी से जीभ पर दाने तथा पाचन सम्बन्धी विकार आ जाते हैं; जैसे—दस्त होना।
3. पागलपन— सिरदर्द, क्षीण स्मरण-शक्ति, चिड़िचिड़ापन तथा नींद न आना और स्थिति अधिक बढ़ने पर पागलपन देखा जाता है।

57. मिल्क शेक उदाहरण है—

- (A) स्वच्छ तरल आहार  
(B) पूर्ण स्वच्छ आहार  
(C) हल्का आहार  
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

57. (B) मिल्क शेक पूर्ण स्वच्छ आहार का उदाहरण है। मिल्क शेक दूध, चीनी और मेवे से बनाया जाता है। दूध एक सम्पूर्ण आहार है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक पोषक तत्व पाये जाते हैं।

58. ICDS प्रारंभ किया गया था—

- (A) 1979 (B) 1976  
(C) 1975 (D) 1980

58. (C) एकीकृत बाल विकास सेवा योजना (आईसीडीएस) एक केंद्रीय प्रायोजित योजना है और 1975-76 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने बच्चों के समग्र विकास और माँ के सशक्तिकरण के उद्देश्य से शुरू की है। इस योजना का सफल क्रियान्वयन आँगनवाड़ी कार्यकर्ता

की प्रतिबद्धता पर निर्भर करता है, जो खास मानदंड मजदूर हैं। चूँकि बच्चों में मृत्युदर, रोग और कुपोषण की घटनाएँ बहुत अधिक थीं। इसलिये इन घटनाओं को कम करने के लिए आईसीडीएस परियोजनाएँ 1.8.1 97 को 24 अँगनवाड़ी केन्द्रों के साथ शुरू हुई थीं। वर्तमान में वहाँ लगभग 3 आईसीडीएस प्रोजेक्ट हैं, जिनमें लगभग 500 अँगनवाड़ी केंद्र शामिल हैं। गाँवों, कालोनियों और मलिन बस्तियों में 5.50 लाख से अधिक की आबादी आईसीडीएस के उद्देश्य निम्नानुसार हैं—

#### 1. उद्देश्य—

एकीकृत बालविकास सेवा (आईसीडीएस) योजना निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ 1975 में शुरू की गई थी—

0-6 साल आयु वर्ग के बच्चों की पोषण और स्वास्थ्य स्थिति में सुधार, बच्चे के उचित मनोवैज्ञानिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए नींव रखना,  
अँगनवाड़ी, रोग, कुपोषण और स्कूल छोड़ने वालों की घटनाओं को कम करने के लिए,

अँगनवाड़ी विभागों के बीच नीति और कार्यान्वयन के प्रभावी समन्वय प्राप्त करना,

माता को उचित पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से सामान्य स्वास्थ्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं की देखभाल करने की क्षमता बढ़ाने के लिए, उपर्युक्त उद्देश्यों से युक्त सेवाओं के पैकेज के माध्यम से प्राप्त की जाने की माँग की गई है—

पूरक पोषण

प्रतिरक्षा

स्वास्थ्य जाँच

रेफरल सेवाएँ

पूर्व-स्कूल गैर-ऑपचारिक शिक्षा

पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से छः सेवाओं में से तीन, अर्थात् टीकाकरण, स्वास्थ्य जाँच और रेफरल सेवाएँ मुहैया कराई गई हैं।

59. चीनी का जैली में कार्य है—

- (A) बैक्टीरिया को निष्क्रिय करना  
(B) अतिरिक्त जल को जैली में बांधकर रखना  
(C) स्वादिष्ट बनाना  
(D) रंग प्रदान करना

59. (A) जैली में चीनी को बैक्टीरिया को निष्क्रिय करने हेतु डाला जाता है। चीनी की चासनी में फलों को पका देने के उपरान्त उसमें जीवाणु उत्पन्न नहीं हो पाते हैं और इस प्रकार फलों को संरक्षित किया जाता है।

60. सिलवाये गये वस्त्रों की अपेक्षा सिले-सिलाये वस्त्र आसानी से उपलब्ध होते हैं, क्योंकि ये—

- (A) पक्का रंग  
(B) आसानी से उपलब्धता  
(C) कम कीमत  
(D) रंग प्रदान करना

60. (B) सिलवाये गये वस्त्रों की अपेक्षा सिले-सिलाये वस्त्र आसानी से उपलब्ध होते हैं। यह प्रचलित फैशन ट्रेण्ड के अनुरूप होते हैं, थोड़े सस्ते होते हैं तथा मैचिंग के बेहतर विकल्प होते हैं। उपर्युक्त कारणों से इन्हें सिलवाये गये वस्त्रों की अपेक्षा बेहतर विकल्प माना जाता है।

61. निम्न में कौन-सा उदाहरण बच्चों में होने वाले सार्वभौमिक परिवर्तनों का उदाहरण नहीं है?

- (A) मुस्कुराहट का प्रारंभ  
(B) प्रथम शब्द  
(C) पठन  
(D) चलना

61. (C) मुस्कुराहट का प्रारंभ, प्रथम शब्द बोलना चलना आदि बच्चों में होने वाले सार्वभौमिक परिवर्तनों का उदाहरण है, जबकि पठन सार्वभौम परिवर्तन के उदाहरण में नहीं आता।

62. एक कॉलेज के जलपान गृह में निम्नलिखित तरह से आहार वितरण किया जा सकता है—

- (A) अकेंद्रीकृत  
(B) गेज पर दी जाने वाली सेवा  
(C) स्वयं लेने की सेवा  
(D) मिश्रित सेवा

62. (C) एक कॉलेज के जलपान गृह में स्वयं लेने की सेवा द्वारा आहार वितरण किया जा सकता है।

63. IDDM के मरीज के आहार में कार्बोज को पूरी तरह से रोकना चाहिए क्योंकि—

- (A) यह कब्ज का कारण है
- (B) यह कीटोनिस का कारण है
- (C) संतुष्टि का अनुभव नहीं होता
- (D) पूरी ऊर्जा प्राप्त नहीं होती

63. (D) IDDM के मरीज के आहार में कार्बोज को पूरी तरह से नहीं रोकना चाहिये, क्योंकि इससे पूरी ऊर्जा प्राप्त नहीं होती। कार्बोहाइड्रेट कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के यौगिक होते हैं, जिनमें सैक्रेस समूह होता है अथवा इसका प्रथम क्रियात्मक पदार्थ जिसमें हाइड्रोजन और ऑक्सीजन जल के अनुपात में रहता है। पौधों में पाये जाने वाले कार्बोहाइड्रेट्स मानव की 50 प्रतिशत ऊर्जा की आवश्यकता की पूर्ति करते हैं।

झोत—

अनाज, अण्डा, माँस, दालें, शक्कर, गुड़ प्रमुख झोत हैं। फलों में केला, काजू, नारियल बेल, खजूर, सीताफल तथा सब्जियों में आलू, घुड़यां, जिमीकंद, शकरकंद, टैपिओका आदि में अधिकता से पाया जाता है।

64. चीनी को अपमिश्रित किया जाता है—

- (A) सफेद पथर से (B) माड़ी से
- (C) शीरा से (D) इनमें से कोई नहीं

64. (A) मिलावट एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा भोज्य पदार्थों की प्रकृति गुणवत्ता तथा पौष्टिकता में बदलाव आ जाता है। यह मिलावट उपज फसल काटने के समय, संगृहीत करते समय, परिवाहन और वितरण करते समय, जिसी भी समय हो सकती है। ‘खाद्य पदार्थ में कोई मिलता-जुलता पदार्थ मिलाने अथवा उसमें से कोई तत्व निकालने या उसमें कोई हानिकारक तत्व मिलाने से खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता में परिवर्तन लाना मिलावट कहलाता है।’

चीनी को सफेद पथर नामक पदार्थ में अपमिश्रित कर दिया जाता है, जिससे मिलावट का पता न चल सके। चीनी, सुगर या शर्करा एक क्रिस्टलीय खाद्य पदार्थ हैं, जो गने या चुकन्दर से प्राप्त की जाती है। इसमें मुख्यतः सुक्रोज, लैक्टोज एवं फ्रक्टोज उपस्थित होता है।

65. निम्न में से क्या प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम में जरूरी आवश्यकता है?

- (A) लचीला पाठ्यक्रम
- (B) आवश्यकता के आधार पर पाठ्यक्रम
- (C) योजनाबद्ध अधिगम
- (D) प्रतिपुष्टि

65. (D) प्रतिपुष्टि प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम में आवश्यक नहीं है। योजनाबद्ध अधिगम, लचीला पाठ्यक्रम आदि प्रौढ़ शिक्षा के लिए जरूरी आवश्यकता है।

66. अनौपचारिक शिक्षा उनके लिये है—

- (A) जो औपचारिक शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश नहीं पा सकते
- (B) जो अशिक्षित हैं पर सीखने का प्रोत्साहन नहीं है
- (C) जो वास्तव में गरीब हैं
- (D) जो पत्र व्यवहार कर सकते हैं पर कक्षा में नहीं जा सकते।

66. (A) सन् 1968 में फिलिप्पीन्स ने अनौपचारिक शिक्षा की चर्चा की परन्तु उसकी परिभाषा

1970 के बाद ही की गई। वास्तव में, अनौपचारिक शिक्षा एक प्राचीन परिपाठी का नया नाम है। अनौपचारिक शिक्षा की कुछ परिभाषायें निम्नलिखित हैं :

1. कूम्बस और अहमद “जनसंख्या में विशेष उपसमूहों व्यस्क तथा बालकों का चुना हुआ इस प्रकार का अधिगम प्रदान करने के लिये औपचारिक शिक्षा व्यवस्था के बाहर कोई भी संगठित कार्यक्रम है।”
2. लाबैला-अनौपचारिक शिक्षा का संदर्भ विशिष्ट लक्षित जनसंख्या के लिए स्कूल से बाहर संगठित कार्यक्रम है।
3. इलिच और फ्रेयर—“अनौपचारिक शिक्षा औपचारिक विरोधी शिक्षा है।”
4. मोतीलाल शर्मा—“संक्षेप में कोई कह सकता है कि अनौपचारिक शिक्षा एक सक्रिय, आलोचनात्मक, ढंगात्मक शैक्षिक कार्यक्रम है, जोकि मनुष्यों को सीखने, स्वयं अपनी सहायत करने, चेतन रूप से अपनी समस्याओं का आलोचनात्मक रूप से सामना करने में सहायता करता है। अनौपचारिक शिक्षा का लक्ष्य संकलित, प्रमाणिक मानव प्रणियों का विकास करना है, जोकि समाज के विकास में योगदान दे सकें। इसमें न

केवल व्यक्ति बल्कि एक सच्चे अधिगम समाज में योगदान देते हुए सम्पूर्ण सामाजिक व्यवस्था सीखती है।” अनौपचारिक शिक्षा उनके लिये है, जो औपचारिक शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश नहीं पा सकते। अनौपचारिक शिक्षा से पूर्व निर्धारित पाठ्यक्रम नहीं होते, केवल उपयोगी तकनीकी ज्ञान की शिक्षा प्रदान की जाती है।

67. महिलाओं एवं बच्चों का चहुँमुखी विकास किस कार्यक्रम का प्रतिबल है?

- (A) समेकित ग्रामीण विकास कार्यक्रम
- (B) गृह विज्ञान प्रसार शिक्षा
- (C) DWCRA कार्यक्रम
- (D) न्यूनतम आवश्यकताओं के विकास कार्यक्रम

67. (C) ग्रामीण महिला शिशु विकास कार्यक्रम का अंग्रेजी नाम DWCRA है। यह ग्रामीण परिवेश वाली तथा गरीबी रेखा के नीचे की महिलाओं तथा बच्चों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास हेतु एक विशेष कार्यक्रम है।

68. बच्चों में विस्तर गीला करने की आदत निम्न का नतीजा हो सकती है—

- (A) खराब स्वास्थ्य
- (B) मनोभावात्मक असुरक्षा
- (C) अपर्याप्त प्रशिक्षण
- (D) उपर्युक्त सभी

68. (D) बच्चों का खराब स्वास्थ्य, मनोभावात्मक असुरक्षा, अपर्याप्त प्रशिक्षण, भय आदि के कारण बच्चों में विस्तर गीला करने की आदत पड़ जाती है।

69. विकास पर शोध कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है—

- (A) चार्ल्स डेविन (B) एन. बैले
- (C) जीन पियाजे (D) बी. बैल्डविन

69. (C) जीन पियाजे ने विकास पर शोध कार्य में महत्वपूर्ण योगदान किया। पियाजे के अध्ययनों का आधुनिक बाल-विकास विषय पर अधिक प्रभाव पड़ा है।

डॉ. जीन पियाजे (1896-1980) एक स्विस मनोवैज्ञानिक थे और मूलरूप से एक प्राणी विज्ञान के विद्वान थे। उनके कार्यों ने उन्हें एक मनोवैज्ञानिक के रूप में प्रसिद्धि दिलाई थी। पियाजे ने फ्रांस के बिनेट (Binet) के साथ मिलकर भी कई वर्षों तक कार्य किए। पियाजे ने बुद्धि

का विषय में अपना तर्क दिया कि बुद्धि जन्मजात नहीं होती है। इन्होंने इससे पूर्व में प्रचलित कारक का कि बुद्धि जन्मजात होती है, का खण्डन किया। जैसे-जैसे बालक की आयु बढ़ती है वैसे-वैसे उसका कार्य-क्षेत्र भी बढ़ता है और बुद्धि का विकास भी संभव होता है। प्रारंभ में बच्चा केवल सरल सम्प्रत्ययों को ही सीखता है और जैसे-जैसे उसका अनुभव बढ़ता है बुद्धि का विकास होता है, आयु बढ़ती है, वैसे-वैसे वह जटिल सम्प्रत्ययों को ही सीखता है। वातावरण एवं क्रियाओं का योगदान सीखने या अधिगम में महत्वपूर्ण होता है। पियाजे यह भी कहते हैं कि सीखना कोई यांत्रिक क्रिया नहीं है, बल्कि यह एक बौद्धिक प्रक्रिया होती है। सीखना एक संप्रत्यय निर्माण करना होता है और निर्माण करने की यह प्रक्रिया सरल से कठिन की ओर चलती है। पहले जब बालक का अनुभव होता है, उसकी आयु भी कम होती है, तो वह सरल अवधारणाओं या सम्प्रत्ययों को ही सीख सकते हैं और जैसे-जैसे बालक की आयु बढ़ती है, तो उसका अनुभव भी बढ़ता है और वह अपनी बुद्धि से जटिल सम्प्रत्ययों का निर्माण करता है।

70. कपड़ा सिलने की कला को सीखने के लिए उपयुक्त कपड़ा है—  
(A) रेशमी (B) मलमल  
(C) सूती (D) कृत्रिम

70. (C) कपड़ा सिलने की कला को सीखने हेतु सूती कपड़ा सर्वाधिक उपयुक्त होता है, सीखने के दौरान अत्यधिक गलतियाँ होती हैं, इसलिए मलमल, रेशमी तथा अन्य महँगे कपड़े उपयुक्त नहीं हैं।

71. किशारों द्वारा वस्त्रों के चुनाव में सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है—  
(A) पोशाक की कीमत  
(B) पोशाक का टिकाऊपन  
(C) उपयुक्त वस्त्र  
(D) प्रचलित शैली

71. (D) किशोर फैशन के अनुसार वस्त्र का चयन करते हैं। प्रचलित शैली किशारों द्वारा वस्त्र का चुनाव सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है।

72. ग्लूकोमा सम्बन्धित है—  
 (A) डायबिटीज (B) ग्लूकोज  
 (C) आँखें (D) ऊर्जा

72. (C) ग्लूकोमा रोग आँख से संबंधित रोग है। जलतीय वेशम तथा कानाचाह वेशम में पाये जाने वाले तरल का दबाव अधिक हो जाने से दृष्टिपटल क्षतिग्रस्त हो जाता है। इसमें रोगी को दिखाई नहीं पड़ता है। ग्लूकोमा (कालामोतिया) संबंधित नेत्रविकारों का एक सम्पूर्ण है जो आप्टिकनर्वों को नुकसान पहुँचाता है, जो आँख से मसिष्टक तक जानकारी पहुँचाता है। ज्यादातर मामलों में, ग्लूकोमा (कालामोतिया) आँख के अंदर उच्च-से-सामान्य दबाव (प्रेसर) से जुड़ा होता है— एक स्थिति में जिसे ओकुलरहाइपरटेंशन कहा जाता है। लेकिन यह भी हो सकता है, जब अंतःकोशिका दबाव (IOP) सामान्य हो सकता है। यदि अनुपचारित या अनियंत्रित, ग्लूकोमा (कालामोतिया) पहले परिधीय दृष्टि (पेरिफेरलविजन) हानि का कारण बनता है और अंतःदृष्टिविहीनता (ब्लाइंडनेस) हो सकती है। ग्लूकोमा (कालामोतिया) दुनियाभर में दृष्टिविहीनता का दूसरा प्रमुख कारण है— मोतियाबिंद (कैटरेकट) के पीछे, जो कि पहला कारण है, ग्लूकोमा (कालामोतिया) की दो प्रमुख श्रेणियाँ हैं औपन-एंगलग्लूकोमा (OAG) और क्लोज्ड-एंगलग्लूकोमा (ACG)। दोनों मामलों में ‘कोण’ आँख के अंदर जलनिकासी कोण को संदर्भित करता है जो जलतीय तरल (एक्वस) को बाहर जाने से नियंत्रित करता है जो लगातार आँख के अंदर पैदा हो रहा होता है। यदि यह जलतीय तरल (एक्वस) निकासी कोण तक पहुँच सकता है, तो ग्लूकोमा (कालामोतिया) को औपन-एंगलग्लूकोमा के रूप में जाना जाता है। यदि जल निकासी कोण अवरुद्ध है और जलतीय तरल (एक्वस) उस तक नहीं पहुँच सकता है, तो ग्लूकोमा (कालामोतिया) को क्लोज्ड-एंगलग्लूकोमा के रूप में जाना जाता है।

73. विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है—  
 (A) 9 अक्टूबर                    (B) 16 अक्टूबर  
 (C) 10 अक्टूबर                    (D) 20 अक्टूबर

73. (B) विश्व समाज के संतुलित विकास के लिए यह आवश्यक है, कि मनुष्य का सर्वांगीण विकास हो। विश्व में लोगों को संतुलित भोजन की इतनी मात्रा मिले कि वे कृपोषण के दायरे से बाहर निकलकर एक स्वस्थ जीवन जी सकें। लोगों को संतुलित भोजन मिल सके, इसके लिए आवश्यक है कि विश्व में खाद्यान्न का उत्पादन भी पर्याप्त मात्रा में हो। दिन-पर-दिन विश्व की जनसंख्या में हो रही वृद्धि और खाद्य पदार्थों के सीमित भंडार को देखते हुए खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने की जरूरत महसूस की गई। इसे ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 16 अक्टूबर, 1945 को रोम में 'खाद्य एवं कृषि संगठन' (एफएओ) की स्थापना की। संसार में व्याप्त भुखमरी के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने एवं इसे खत्म करने के लिए 1980 से 16 अक्टूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' का आयोजन शुरू किया गया।

'विश्व खाद्य दिवस' का मुख्य उद्देश्य दुनिया से भुखमरी को खत्म करना है। आज भी विश्व में करोड़ों लोग भुखमरी के शिकार हैं। वर्तमान समय में यह बहुत आवश्यक हो गया है कि विश्व से भुखमरी मिटाने के लिए अत्यधिनिक तरीके से खेती की जाये। 'विश्व खाद्य दिवस' का उद्देश्य खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए विकासशील देशों के मध्य तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग बढ़ाना और विकसित देशों से आधुनिक तकनीकी मदद उपलब्ध कराना है। संयुक्त राष्ट्र की तमाम संस्थाओं द्वारा विकासशील देशों में गरीबी एवं भुखमरी से निपटने के लिए तमाम प्रयास भी शुरू किए गए हैं। खासतौर पर अफ्रीका महाद्वीप के रवांडा, बुरुंडी, नाइजीरिया, सेनेगल, सोमालिया और इरीट्रिया आदि देशों में जहाँ यह समस्या काफी भयावह है।

74. पहली पंचवर्षीय योजना लागू की गयी—  
(A) 1947                   (B) 1951  
(C) 1948                   (D) 1952

74. (B) आजादी के बाद भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने समाजवादी अर्थक मॉडल को आगे बढ़ाया। जवाहरलाल नेहरू ने अनेक महत्वपूर्ण अर्थक निर्णय लिए जिनमें पंचवर्षीय योजना की शुरुआत भी थी। सन् 1951 में पहली पंचवर्षीय योजना की नींव डाली गई और योजना आयोग का गठन किया। जवाहरलाल नेहरू ने 8 दिसंबर, 1951 को संसद में पहली पंचवर्षीय योजना को पेश किया था और उन्होंने उस समय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लक्ष्य 2.1 फीसदी निर्धारित किया था। इस परियोजना में कृषि क्षेत्र पर विशेष जोर दिया गया, क्योंकि उस दौरान खाद्यान्न की कमी गंभीर चिंता का विषय थी। इसी पंचवर्षीय योजना के दौरान पाँच इस्पात संयंत्रों की नींव रखी गई। अधिकतर पंचवर्षीय योजनाओं में किसी न किसी क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई।

75. किस वैज्ञानिक के अनुसार “नवजात शिशु एक कोरी स्लेट” के समान होता है ?  
(A) जॉन लॉक           (B) बी. लॉक  
(C) चार्ल्स डार्विन   (D) फ्रायड

75. (A) जॉन लॉक के अनुसार “नवजात शिशु एक कोरी स्लेट” के समान होता है।

76. तेज आवाज सुनकर बच्चा हाथ ऊपर उठा लेता है, यह कहलाता है—  
(A) रूटिंग प्रतिवर्ती क्रिया  
(B) बैविन्सकी प्रतिवर्ती क्रिया  
(C) मोरो-स्टारटल  
(D) कोई नहीं

76. (C) तेज आवाज सुनकर बच्चा हाथ ऊपर उठा लेता है, यह मोरो-स्टारटल कहलाता है।

77. किसके दूध में थोड़ी चीनी डाल दी जाये और कुछ वसा निकाल दी जाये तो वह माँ के दूध जैसा हो जायेगा—  
(A) बकरी               (B) याक  
(C) भैंस               (D) गाय

77. (A) बकरी के दूध में थोड़ी मात्रा में चीनी डाल दी जाये और कुछ वसा निकाल दी जाये तो वह माँ के दूध के समान हो जायेगा। माँ का दूध नवजात शिशु हेतु सम्पूर्ण आहार होता है।

78. यह फैशन जो अल्पकाल के लिए रहता है, कहलाता है—  
(A) सिलोट (B) फैंड  
(C) स्टाइल (D) कैमोफ्लेज

78. (C) फैशन, सामान्यतः व्यक्तियों द्वारा अपने व्यक्तित्व को आकर्षक दिखाने, अपने व्यक्तित्व को अन्य लोगों से अलग दिखाने के लिए किया जाता है। यह भी अशाकिक संचार का एक प्रकार है, जबकि स्टाइल प्रत्येक कार्य का कलात्मक ढंग से करने को कहा जाता है। व्यक्ति के पहनावे, रहन-सहन, समय तथा परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तित होते रहते हैं। वस्तुतः स्टाइल भी एक प्रकार से फैशन ही है, परन्तु यह अल्पकाल तक ही है। जैसे-हेयर स्टाइल, साड़ी एवं अन्य पहनावे आदि।

79. 'कसूंती' किस राज्य का एक पारम्परिक वस्त्र है?  
(A) पंजाब (B) काठियावाड़  
(C) उत्तर प्रदेश (D) कर्नाटक

79. (D) 'कसूंती' दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य का एक पारंपरिक वस्त्र है। कमल, रथ हाथी, पालकी, मयूर वैल, तोते, तुलसी का पेढ़, नदी आदि इस कढ़ाई में लोकप्रिय नमूने होते थे।

80. प्रसिद्ध मधुबनी पैंटिंग किस राज्य से है?  
(A) विहार (B) गुजरात  
(C) राजस्थान (D) उत्तर प्रदेश

80. (A) प्रसिद्ध मधुबनी पैंटिंग विहार राज्य की कला है। मधुबनी चित्रकारी जिसे मिथिला की कला भी कहा जाता है। इसकी विशेषता चटकीले और विषम रंगों से भरे गए रेखा-चित्र अथवा आकृतियाँ हैं। मधुबनी पैंटिंग को प्राकृतिक रंगों के साथ चित्रित किया जाता है, जिसमें गाय का गोबर और कीचड़ का उपयोग किया जाता है, ताकि दीवारों में इन चित्रों को बेहतर बनाया जा सके। कलाकारों ने अपनी कला में केवल प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया जिसमें हल्दी, पराग

या चूना और नीले रंग को नील से इस्तेमाल करते थे। कुसुम फूलकार सलालरंग, चंदन या गुलाब के लिए इस्तेमाल किया जाता था। इसी तरह कह सकते हैं कि कलाकारों ने अपने रंग की जरूरतों के लिए विभिन्न प्राकृतिक सामग्रियों का भी इस्तेमाल किया था जो अपने में एक अनूठी कला को दर्शाता है। मूलरूप से इन पैटिंग को झोंपड़ियों की दीवार पर किया जाता था, लेकिन अब यह कपड़े, हाथ से बने कागज और कैनवास पर भी की जाती हैं। मधुबनी पैटिंग दो तरह की होती हैं—भित्तिचित्र और अरिपन। भित्ति-चित्र-विशेष रूप घरों में तीन स्थानों पर मिट्टी से बनी दीवारों पर की जाती है—परिवार के देवता/देवी, नए विवाहित जोड़े (कोहवर) के कमरे और डूँझिंग रूम में। अरिपन (अल्पना) कमल, पैर, आदि को चित्रित करने के लिए फर्श पर लाइन खींचकर बनाई जाने वाली एक कला है। अरिपन कुछ पूजा-समारोहों जैसे पूजा, वृत्त, और संस्कार आदि विधियों पर की जाती है। पैटिंग को कमरों की बाहरी और आंतरिक दीवारों पर और मारबा पर, शादी में, उपनायन (पवित्र थ्रेडिंग समारोह) और त्यौहार जैसे दीपावली आदि कुछ सुध अवसरों पर किया जाता है। सूर्य और चंद्रमा भी चित्रित किये जाते हैं, क्योंकि यह माना जाता है कि वे परिवार में समृद्धि और खुशी लाते हैं।

- 81.** एस्बेस्टास है—  
(A) सेलुलोजिक तंतु (B) मिनरल तंतु  
(C) संश्लेषित तंतु (D) प्रोटीन तंतु

**81.** (B) एस्बेस्टास मिनरल तंतु है। ये तनु अत्यन्त कोमल, लारीक, उज्ज्वल तथा लम्बे होते हैं। ये तंतु ताप के कुचालक होते हैं। इन पर जंग या तेजाब का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

**82.** वह कपड़े जो हथकरघे से सीधे निकाले जाते हैं और उसमें किसी प्रकार की परिस्ज्ञा न की जाये, वे कहलाते हैं—  
(A) सिंजिंग (B) स्कार्डिंग  
(C) प्रे गुड्स (D) डी साइंजिंग

**82.** (C) वह कपड़े जो हथकरघे से सीधे निकाले जाते हैं और उन पर किसी प्रकार की परिस्ज्ञा न की जाये वे प्रेगुड्स कहलाते

हैं। करये से उतारा हुआ वस्त्र आकर्षक नहीं होता है। उसे आकर्षक बनाने हेतु स्काउरिंग, विरंजन, रंजन, मुद्रण तथा अन्य प्रक्रियाएँ की जाती हैं।

83. नॉन स्टिक बर्टनों में टेफ्लॉन (Teflon) कोटिंग किसकी है?

- (A) पॉली टेट्रा फ्लोरो एथेलीन
- (B) पॉली टेट्रा फ्लोरीन
- (C) पॉली फ्लोरीन
- (D) इनमें से कोई नहीं

83. (A) नॉन स्टिक बर्टनों में टेफ्लॉन कोटिंग पॉली टेट्रा फ्लोरो एथेलीन की होती है। टेफ्लॉन एक संश्लेषित फ्लूरोबहलक है, जिसकी खोज वैज्ञानिक डॉ. रॉय प्लेकेट ने की थी।

84. अधिकतम मूल्य का रंग है—

- (A) लाल
- (B) काला
- (C) सफेद
- (D) पीला

84. (B) काला रंग अधिकतम मूल्य का रंग है। मूल्य का सम्बन्ध रंगों के गहरे तथा हल्केपन से है। काले रंग को सबसे मूल्यवान रंग माना जाता है, क्योंकि उससे गाढ़ कोई रंग नहीं होता है।

85. सन्तुलन, लय तथा अनुपात कहलाते हैं—

- (A) कला के सिद्धांत
- (B) कला के तत्व
- (C) कला की सतह
- (D) इनमें से कोई नहीं

85. (A) कला के आधारभूत सिद्धांत कलाकार के अनुभव पर आधारित होते हैं। संयोजन की दृष्टि से कलाकृति का प्रत्येक भाग महत्वपूर्ण होता है। कला के समस्त रचना विधान निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित होते हैं—  
1. पुनरावृत्ति, 2. सामंजस्य, 3. विरोध,  
4. संतुलन, 5. अनुपात, 6. प्रभावित 7. लय तथा 8. एकता।

86. आयकर निम्न प्रकार का कर है—

- (A) अप्रत्यक्ष कर
- (B) मनोरंजन कर
- (C) विकास कर
- (D) प्रत्यक्ष कर

86. (D) आयकर, निगम कर प्रत्यक्ष कर के उदाहरण हैं। प्रत्यक्ष कर वह है जिसे जिस व्यक्ति पर आरोपित किया जाता है, उसी से वसूला जाता है, अर्थात् इसे किसी भी विधिति में अन्य व्यक्ति पर स्थानान्तरित नहीं किया जा सकता है। आयकर प्रत्येक व्यक्ति की गत वर्ष में अर्जित की गयी आय पर लगाने वाला कर है।

87. किण्वन से क्या बढ़ता है?

- (A) पाचनशीलता
- (B) कैल्शियम
- (C) विटामिन A
- (D) कुल प्रोटीन

87. (A) किण्वन एक जैव-रासायनिक क्रिया है जिसमें जटिल कार्बनिक यौगिकों का सूक्ष्म सजीवों द्वारा ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में सरल कार्बनिक यौगिकों में विघटन हो जाता है।

88. प्रभावशाली संप्रेषण किसके द्वारा होता है?

- (A) मौखिक
- (B) लिखित
- (C) समूह परिचर्या
- (D) उपर्युक्त सभी

88. (C) संप्रेषण दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच मौखिक, लिखित, सांकेतिक या प्रतीकात्मक माध्यम से विचार एवं सूचनाओं के प्रेषण की प्रक्रिया है। संप्रेषण हेतु सन्देश का होना आवश्यक है। संप्रेषण में पहला पक्ष प्रेषक (सन्देश भेजने वाला) तथा दूसरा पक्ष प्रेषणी (सन्देश प्राप्तकर्ता) होता है। संप्रेषण उसी समय पूर्ण होता है जब सन्देश मिल जाता है और उसकी स्वीकृति या प्रत्युत्तर दिया जाता है।

89. स्टॉक रजिस्टर में विवरण होता है—

- (A) उपलब्ध सामग्रियों का सूचीपरक विवरण
- (B) स्रोत
- (C) बीजक
- (D) क्रय की गई सामग्रियों की सूची

89. (D) स्टॉक रजिस्टर में क्रय की गई सामग्रियों की सूची का विवरण होता है।

90. रसाकर्षण का सिद्धांत संरक्षित करने के लिए उपयुक्त किया जाता है—

- (A) जैम
- (B) जेली
- (C) अचार
- (D) उपर्युक्त सभी

90. (D) जैम, जेली, अचार फलों के रसों या उनमें पाये जाने वाले पेकिटन आदि पदार्थों की सहायता से निर्मल किए जाते हैं। इन्हें परिरक्षित रखने हेतु रसाकर्षण के सिद्धांत का उपयोग किया जाता है। इसके अनन्तर इन पदार्थों को सुखाना, फ्रीज ड्रॉइंग, प्रशीतन, निर्वात पैकेजिंग, डिब्बाबंदी, नमक मिलाना, धुआँदेना आदि को शामिल किया जाता है।

91. बंद डिब्बा युक्त भोज्य पदार्थ में भूरी बिन्दी दर्शाता है कि भोजन है—

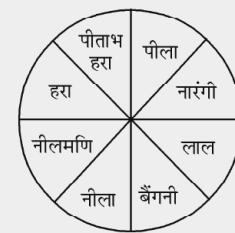
- (A) शाकाहारी
- (B) माँसाहारी
- (C) अंडायुक्त
- (D) तरल

91. (D) डिब्बा बंद भोज्य पदार्थ में भूरी बिन्दी दर्शाता है कि भोजन तरल है। शाकाहारी हेतु हरी बिन्दी, माँसाहारी को दर्शाने हेतु लाल बिन्दी चिह्नित होती है।

92. समीपवर्ती रंग योजना है—

- (A) एक रंगीय योजनाएँ
- (B) संबद्ध रंग योजना
- (C) पूरक रंग योजना
- (D) त्रिकोणीय रंग योजना

92. (A) वर्ण के गुणों के आधार पर वर्णहीन, एकवर्णीय बहुवर्णीय, समरूप या समीपवर्ती एवं मध्यवर्ती आदि रंग योजनाओं में विभाजित किया जाता है। वर्णचक्र में जो निकटवर्ती रंग एक ही परिवार के होते हैं, का चयन समीपवर्ती रंग संतति कहलाता है। जैसे-नारंगी-लाल-बैंगनी, अथवा पीला-धानी-हरा आदि समीपवर्ती रंग योजनाएँ कहलाती हैं।



93. डिजाइन में उतार व चढ़ाव को कहते हैं—

- (A) एसीमिलेशन
- (B) बल देना
- (C) लय
- (D) अनुपात

93. (C) डिजाइन में उतार व चढ़ाव को लय कहते हैं। लय एक सुसंगठित निरन्तर गति होती है।

94. लाइसिन पाया जाता है—

- (A) दूध
- (B) दाल
- (C) दलिया
- (D) चावल

94. (B) लाइसिन एक प्रकार का एमीनो एसिड है, जो सामान्यतः विटामिनयुक्त विभिन्न पूरक तत्वों में उपस्थित होता है। यह प्रोटीन के जैव संश्लेषण में आवश्यक तत्व है। यह हमारे शरीर में संश्लेषित नहीं होता है। इस कारण लाइसिनयुक्त पोषक पदार्थ बाहर से लेने पड़ते हैं। अंकुरित अनाज, दालें, पीनी तथा मांस इसके प्रमुख स्रोत हैं।

95. शरीर को सबसे अधिक ऊर्जा प्राप्त होती है—

- (A) कार्बोहाइड्रेट
- (B) वसा
- (C) खनिज लवण
- (D) प्रोटीन

95. (B) शरीर को ऊर्जा प्रदान करने वाले पोषक तत्व हैं—वसा, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन हैं। शरीर को सर्वाधिक ऊर्जा वसा द्वारा प्राप्त होती है।

96. निम्न में से कौन-सा संप्रेषण माध्यम पहले प्रारम्भ हुआ?

- (A) छापना                    (B) रेडियो  
(C) फ़िल्म                    (D) टेलीविजन

96. (A) संप्रेषण का अर्थ है किसी विचार अथवा संदेश (Massage) को एक स्थान से दूसरे स्थान पर प्रेषित (Send) करने वाले के द्वारा भेजना तथा प्राप्त करने वाले के द्वारा प्राप्त करना। प्रेषण सफल तभी कहा जा सकता है जब दोनों, अर्थात् प्रेषितकर्ता (Sender) तथा प्राप्तकर्ता (Receiver) समान रूप से उत्तरदाइ होते हैं। इस प्रकार संप्रेषण की क्रिया द्विपक्षीय अथवा बहुपक्षीय प्रक्रिया है, साथ ही सहयोगात्मक प्रक्रिया भी है। संप्रेषण माध्यम के अन्तर्गत सर्वप्रथम छापने की विधि का प्रयोग किया गया। इसके अन्तर्गत सूचना या संदेशों को लिखकर या छापकर प्राप्तकर्ता तक प्रेषित किया जाता था।

97. अनावश्यक अमीनो अम्ल है—

- (A) दूसरे भोज्य स्रोतों द्वारा दिये जायें  
(B) शरीर द्वारा उत्पादित हो  
(C) शरीर में अनावश्यक न हो  
(D) शरीर द्वारा निष्कासित किये जायें

97. (B) अनावश्यक अमीनो अम्ल शरीर द्वारा उत्पादित होते हैं। अनावश्यक अमीनो अम्ल केवल शरीर में होने वाली तोड़-फोड़ की मरम्मत कर सकते हैं। हमारी कोशिकाओं, माँसपेशियों और ऊतकों का एक बड़ा हिस्सा अमीनो एसिड का बना होता है, जिसका अर्थ है कि वे कई महत्वपूर्ण शारीरिक कार्यों को पूरा करते हैं, जैसे कोशिकाओं को उनकी संरचना देना, वे परिवहन और पोषक तत्वों के भंडारण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अमीनो एसिड का अंग अंगों, ग्रंथियों, रक्त और धमनियों के कार्य पर भी प्रभाव होता है। वे उपचार घावों और ऊतकों की मरम्मत, विशेष रूप से माँसपेशियों, हड्डियों, त्वचा और बालों के साथ-साथ चयापचय के सिलसिले में उत्पन्न सभी प्रकार की अपशिष्ट जमाओं को हटाने के लिए आवश्यक हैं। इस लेख के माध्यम से अमीनो एसिड या अमीनो अम्लों के कार्यों के बारे में अध्ययन करें।

अमीनो एसिड के कार्य

1. ये प्रोटीन्स की एकल इकाइयों

(monomeric units) का काम करते हैं।

2. इनकी पार्श्व शृंखलाओं (R समूहों) पर प्रोटीन्स की आकृति, प्रकृति, लोच और दृढ़ता, स्थिरता, रासायनिक अभिक्रियाशीलता आदि निर्भर करती हैं।  
3. आवश्यकतानुसार प्रोटीन्स ( $H^+$ ) को देकर या लेकर ये अम्ल-क्षार संतुलन बनाए रखते हैं।

98. वसा की मात्रा किस स्थिति में बढ़ा दी जानी चाहिये?

- (A) हृदय सम्बन्धी रोग  
(B) कुपोषण  
(C) मधुमेह  
(D) सुपोषण

98. (B) वसा कुपोषण रोकने में सहायक होते हैं।

अतः कुपोषण की स्थिति में वसा की

मात्रा बढ़ा दी जानी चाहिये। । ग्राम वसा 9.1 कैलोरी प्रदान करता है।

वसाएँ जटिल कार्बनिक अम्लों, वसीय अम्लों द्वारा निर्मित यौगिक होते हैं तथा शाकाहारी तथा माँसाहारी दोनों प्रकार के भोजन से प्राप्त होते हैं। वनस्पति से यह नारियल, बादाम, मूँगफली, सरसों एवं अन्य तिलहन से तथा पश्चिमों से यह मक्खन, पनीर, दूध तथा घी से प्राप्त होते हैं। ये सभी जीवों में मौजूद मोमीया तैलीय (Oily) पदार्थ हैं। ये अध्वृतीय (Non-polar) तथा जल विरागी हाइड्रोफोबिक (Hydro-phobic) यौगिक हैं। ये कार्बनिक विलायक (Solvent) जैसे क्लोरोफॉर्म, बैंजीन, ईंधर में घुलनशील, जबकि पानी में अघुलनशील (Non-soluble) होते हैं। इनका सामान्य सूत्र  $CH_3(CH_2)_nCOOH$  होता है।

99. वह व्यक्ति जो नवीन विचारों के किसी समुदाय में सबसे पहले अंगीकार करता है उसे कहते हैं—

- (A) नव-प्रवर्तक                    (B) जल्द अंगीकारक  
(C) जल्द बहुमत                    (D) पिछड़ा हुआ

99. (A) वह व्यक्ति जो नवीन विचारों के किसी समुदाय में सबसे पहले अंगीकार करता है उसे नव-प्रवर्तक कहते हैं। ये प्रायः शिक्षित, जोखिम उठाने वाले, सामाजिक तथा नेतृत्व गुण रखने वाले हैं।

100. सब्सिडाइज्ड प्रोसेसिंग किन खान-पान प्रबंधों में की जाती है?

- (A) फास्ट फूड यूनिट  
(B) एयर कैर्टरिंग

(C) औद्योगिक कैफेटेरिया

(D) रेस्टोरेंट

100. (B) सब्सिडाइज्ड प्रोसेसिंग एयर कैर्टरिंग खान-पान प्रबंधों में की जाती है।

101. शोध प्रस्ताव लिखने के लिए सही अनुक्रम बताइये—

- (1) साहित्य का पुनरावलोकन  
(2) प्रस्तावना  
(3) ग्रंथ सूची  
(4) उद्देश्य  
(5) कार्य प्रणाली  
(6) आँकड़ों का विश्लेषण  
(A) (2) (4) (1) (5) (6) (3)  
(B) (1) (2) (4) (3) (5) (6)  
(C) (2) (1) (4) (3) (5) (6)  
(D) (4) (2) (1) (5) (6) (3)

101. (A) प्रस्तावित सामाजिक शोध की विस्तृत कार्य योजना अथवा शोध कार्य प्रारम्भ करने के पूर्व सम्पूर्ण शोध प्रक्रियाओं की एक स्पष्ट संरचना 'शोध प्रारूप' या 'शोध अभिकल्प' के रूप में जानी जाती है। शोध प्रारूप के सम्बन्ध में यह स्पष्ट होना चाहिए कि यह शोध का चरण नहीं है, क्योंकि शोध के जो निर्धारित या मान्य चरण हैं, उन सभी पर वास्तविक कार्य प्रारम्भ होने के पूर्व ही विस्तृत विचार होता है और तत्पश्चात् प्रत्येक चरण से सम्बन्धित विषय पर रणनीति तैयार की जाती है। जब सम्पूर्ण कार्य योजना विस्तृत रूप से संरचित हो जाती है तब वास्तविक शोध कार्य प्रारम्भ होता है। शोध प्रस्ताव लिखने के लिए सही अनुक्रम है— प्रस्तावना, उद्देश्य, साहित्य का पुनरावलोकन, कार्य प्रणाली आँकड़ों का विश्लेषण, ग्रंथ सूची।

102. यौवनावस्था की बाधा में शामिल है—

- (A) खव्य की संकल्पना का विपरीत होना  
(B) मनोवैज्ञानिक बाधा  
(C) शारीरिक बाधा  
(D) उपर्युक्त सभी

102. (D) यौवनावस्था की बाधा में शामिल है—खव्य की संकल्पना का विपरीत होना, मनोवैज्ञानिक बाधा तथा शारीरिक बाधा।

103. प्रेसर कुकर की डिजाइन इस प्रकार की जाती है ताकि भोजन को उपयुक्त रूप से पकाया जा सके—

- (A) 121°C और 15 lb  
(B) 100°C और 15 lb

- (C)  $180^{\circ}\text{C}$  और 25 lb  
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- 103.** (C) प्रेसर कुकर को इस प्रकार डिजाइन किया जाता है कि भोजन को  $180^{\circ}\text{C}$  और 25lb पर उपर्युक्त रूप से पकाया जा सके।
- 104.** वसा की कमी से निम्न रोग हो जाते हैं—  
(A) डायबिटीज (B) फाइनोडर्मा  
(C) मोटापा (D) क्वाशिओरकर
- 105.** (B) वसा की अल्पता से फाइनोडर्मा नामक त्वचा रोग हो जाता है। इसके परिणाम-स्वरूप पीठ, पेट और टांगों के बाहर छोटे-छोटे नुकीले दाने निकल आते हैं।
- 106.** सब्जियों में लाल तथा बैंगनी रंग निम्न वर्णक के कारण होता है—  
(A) एन्थोसायनिन (B) क्लोरोफिल  
(C) कैरोटीन (D) फ्लोवान्स
- 107.** (A) सब्जियों में लाल तथा बैंगनी रंग एन्थोसायनिन नामक वर्णक के कारण होता है। कैरोटीन के कारण सब्जियाँ नारंगी रंग की होती हैं।
- 108.** कम दूरी की दुकान से छोटी मात्रा में बार-बार सामानों यथा साबुन खरीदने को कहते हैं—  
(A) सुविधाजनक सामान  
(B) दुकानदारी सामान  
(C) विशेषज्ञता सामान  
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- 109.** (A) कम दूरी की दुकान से छोटी मात्रा में बार-बार सामानों तथा साबुन खरीदने को सुविधाजनक सामान कहते हैं।
- 110.** बंधन का उपयोग किया जाता है—  
(A) कपड़ों पर  
(B) मुहने को सुरक्षित रखता है  
(C) हुक और आँखों पर  
(D) उपर्युक्त सभी
- 111.** (D) बंधन का उपयोग कपड़ों पर मुहने को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है, हुक और आँखों पर।
- 112.** A.V.Aids को एडगर डेल ने किसके अन्तर्गत वर्गीकृत किया है?  
(A) टेबल पार्ट (B) फ्लो चार्ट  
(C) अनुभव शंकु (D) ट्री चार्ट
- 113.** (C) A.V Aids को एडगर डेल ने अनुभव शंकु के अन्तर्गत वर्गीकृत किया है।
- 114.** ट्रायसेम शुरू हुआ था—  
(A) 1970 (B) 1972  
(C) 1979 (D) 1982
- 115.** (C) निर्धन ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार हेतु तकनीकी प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम ट्राइसेम 15 अगस्त, 1979 को प्रारम्भ हुआ। इसके अंतर्गत गाँवों के 18-35 आयु वर्ग के गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों के युवाओं का निजीकाम-धंधा शुरू करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। यह प्रशिक्षण औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं, पॉलिटेक्निकों, कृषि विज्ञान केंद्रों, नेहरू युवा केंद्रों, खादी ग्रामोद्योगों बोर्डों, ग्रामीण विकास संस्थानों, विस्तार केंद्रों आदि में दिया जाता है। ट्राइसेम में प्रशिक्षण पाने वाला प्रत्येक व्यक्ति समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम का संभावित लाभार्थी होता है। प्रतिक्षित व्यक्ति को इच्छुक होने पर समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सहायता दी जाती है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिक्षणार्थियों को छात्रवृत्ति के अलावा औजार-किट मुफ्त दी जाती है। इस कार्यक्रम में 50 प्रतिशत अनुसूचितजाति और जनजाति के ग्रामीण युवा तथा 40 प्रतिशत महिलाएं होना आवश्यक है। ट्राइसेम के अंतर्गत छठी योजना 10-10 लाख, सातवीं योजना में 9.98 लाख, 1990-91 में 2.36 लाख तथा 1991-92 में 3.07 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है।
- 116.** प्रतिचयन किस प्रकार की दिशा का खाका बनाना कहलाता है—  
(A) योजना बनाना (B) संगठित करना  
(C) नियंत्रित करना (D) बल देना
- 117.** (A) परिवारिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु करने वाले कार्य की दिशा का खाका बनाना कहलाता है।
- 118.** (B) प्रतिचयन विवरण प्रकार की सूचनाएँ प्राप्त करने के लिए प्रयोग किया जाता है।
- 119.** (C) प्रतिचयन विवरण प्रकार की सूचनाएँ प्राप्त करने के लिए प्रयोग किया जाता है।
- 120.** (D) सामग्री के संचालन के अभिलेख के लिए प्रयोग की जाने वाली युक्ति
- 121.** (D) समूहों का चित्रवत् वर्णन और कार्यों का सम्बन्ध
- 122.** (B) संक्रिया चार्ट का एक प्रक्रिया है। किसी भी विषय को समझाने हेतु चार्ट का उपयोग किया जाता है। चार्ट दृश्य साधन के अन्तर्गत आता है।
- 123.** खून के धब्बे किस प्रकार दूर किये जा सकते हैं?  
(A) गर्म पानी व साबुन से  
(B) बोरिक अम्ल और गर्म पानी से  
(C) ठंडा पानी, नमक और साबुन से  
(D) साबुन व सूर्य के प्रकाश से

आकलन करना चाहते हैं, तो हमें देश के सभी कमाने वाले व्यक्तियों की गणना करनी होगी, जो असम्भव है। एक बड़ी आबादी या एक समूह से प्रतिनिधि प्रतिदर्श को प्राप्त करने की विधि को प्रति चयन (सैम्प्लिंग) कहा जाता है। प्रति चयन की पद्धति, विश्लेषण के प्रकार पर निर्भर करती है। प्रतिनिधि प्रतिदर्श की इकाइयों की कुल संख्या को प्रतिदर्श समष्टि कहा जाता है। प्रतिदर्श पूरी आबादी का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। जब एक बड़ी आबादी से प्रतिदर्श चुना जाता है, यह विचार करना आवश्यक है कि किस प्रकार यह चुनाव किया जा रहा है। एक प्रतिनिधि प्रतिदर्श प्राप्त करने के लिए, प्रतिदर्श बेतरतीब ढंग से चुना जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, एक विश्वविद्यालय के छात्रों की औसत उम्र का निर्धारण करने के लिए, 10% छात्रों का प्रति चयन, लॉटरी प्रणाली का इस्तेमाल करके किया जा सकता है। इससे छात्रों की अबादी का एक भली-भाँति प्रतिनिधित्व मिलेगा और छात्रों की औसत उम्र का अनुमानित औँकड़ा प्राप्त होगा।

- 124.** संक्रिया चार्ट का एक प्रक्रिया है। किसी भी विषय को समझाने हेतु चार्ट का उपयोग किया जाता है। चार्ट दृश्य साधन के अन्तर्गत आता है।
- 125.** खून के धब्बे किस प्रकार दूर किये जा सकते हैं?  
(A) गर्म पानी व साबुन से  
(B) बोरिक अम्ल और गर्म पानी से  
(C) ठंडा पानी, नमक और साबुन से  
(D) साबुन व सूर्य के प्रकाश से

- 113.** (C) खून के धब्बे साफ करने हेतु ठंडा पानी साबुन तथा नमक का प्रयोग किया जाता है।
- 114.** यह विशेषरूप से सजावट में प्रयोग किया जाता है—  
 (A) कढ़ाई कैंची      (B) कतरने  
 (C) हल्का कतरन      (D) अत्यधिक कतरन
- 115.** (C) हल्का कतरन विशेष रूप से सजावट में प्रयोग किया जाता है। वस्त्रों को सजाने हेतु रंगीन छोटे कतरन वस्त्र के अनुरूप लगाये जाते हैं।
- 116.** ग्लूकोज से ग्लाइकोजन बनने की प्रक्रिया कहलाती है—  
 (A) ग्लोइकोजीनेनलिसिस  
 (B) ग्लाइकोजेनेसिस  
 (C) ग्लूकोनियोजेनेसिस  
 (D) ग्लूकोसिस
- 117.** (B) जब रुधि में ग्लूकोज की मात्रा अधिक होती है तो यकृत कोशिकाएँ ग्लूकोज को ग्लाइकोजन में परिवर्तित कर देती हैं। ग्लूकोज से ग्लाइकोजन बनने की प्रक्रिया ग्लाइकोजेनेसिस कहलाती है।
- 118.** पॉलीसैकराइड्स में निम्न शर्करा होती है—  
 (A) स्टार्च      (B) पेक्टिन  
 (C) ग्लाइकोजन      (D) ये सभी
- 119.** (D) पॉलीसैकराइड्स एक प्रकार के जटिल कार्बोहाइड्रेट हैं, जिनका निर्माण कई छोटे एकल शर्करा के अणुओं से भिलकर होता है। इसके तीन प्रमुख प्रकार स्टार्च, ग्लाइकोजन एवं सेलुलोज, ग्लूकोज से बने होते हैं। पेक्टिन भी एक प्रकार का पाली सैकराइड है जो खट्टे फलों, अमरुद, सेव आदि में पाया जाता है।
- 120.** 20 ग्राम प्रोटीन, 60 ग्राम कार्बोहाइड्रेट तथा 10 ग्राम वसा निम्न ऊर्जा प्रदान करेगा—  
 (A) 310 kcal      (B) 300 kcal  
 (C) 410 kcal      (D) 500 kcal
- 121.** (C) 20 ग्राम प्रोटीन, 60 ग्राम कार्बोहाइड्रेट तथा 10 ग्राम वसा 410 kcal ऊर्जा प्रदान करेगा। 1 ग्राम प्रोटीन 4 kcal ऊर्जा प्रदान करता है। 1 ग्राम वसा 9 kcal ऊर्जा प्रदान करता है तथा 1 ग्राम कार्बोहाइड्रेट 4 kcal ऊर्जा प्रदान करता है।
- 122.** शिक्षण सहायताएँ किसके अनुसार चयनित की जाती हैं?  
 (A) आयु      (B) अनुभव  
 (C) मानसिक योग्यता (D) ये सभी
- 123.** (D) शिक्षण सहायताएँ आयु, अनुभव तथा मानसिक योग्यता के आधार पर चयनित की जाती हैं। शिक्षण सहायता में दृश्य, श्रव्य साधनों का उपयोग किया जाता है।
- 124.** कपड़े की लंबाई व चौड़ाई को वांछित दशा में लाने हेतु वस्त्रों पर की जाने वाली परिसज्जा टेन्टरिंग कहलाती है। यह परिसज्जा वस्त्र के आकार-प्रकार को सही करने हेतु अपनायी जाती है।
- 125.** 100 ml. मानव रक्त में ग्लूकोज की मात्रा होती है—  
 (A) 59-60 mg.      (B) 60-70 mg.  
 (C) 80-120 mg.      (D) 60-80 mg.
- 126.** एक स्वस्थ वयस्क व्यक्ति के रक्त में ग्लूकोज की मात्रा 80 से 120 mg 100 ml रक्त की होती है, मधुमेह में इसकी मात्रा बढ़कर 600 mg प्रति 100 ml तक हो जाती है।
- 127.** शरीर के तापक्रम में 1°F परिवर्तन होने में ऊर्जा द्वारा होती है—  
 (A) 2%      (B) 5%  
 (C) 5%      (D) 7%
- 128.** (D) शरीर के तापक्रम में 1°F परिवर्तन होने में 7% ऊर्जा द्वारा होती है। अतः बुखार की दशा में ऊर्जा की मात्रा अधिक होती है।
- 129.** क्षार के गर्म व सान्द्र घोल में ऊन और सिल्क के तंतु—  
 (A) घुल जायेंगे  
 (B) कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा  
 (C) सिकुड़ जायेंगे  
 (D) फूल जायेंगे
- 130.** क्षार के गर्म व सान्द्र घोल में ऊन और सिल्क के तंतु घुल जायेंगे। क्षार का प्रयोग सूखी तथा लिनन वस्त्रों से दाग-धब्बे हेतु साफ करने के लिए प्रयोग किया जाता है।
- 131.** (A) कम      (B) अधिक  
 (C) अत्यधिक      (D) सामान्य
- 132.** (A) हिपेटिक कोमा में प्रोटीन की मात्रा कम दी जाती है, क्योंकि इस दशा में प्रोटीन का चयापचय ठीक प्रकार से नहीं हो पाता तथा अधिक मात्रा में अमोनिया निर्गाण होने लगता है, जो कि रोग को बढ़ा देता है।
- 133.** किसी लक्ष्य के लिए तीन आयामों की पहचान की गई वे हैं—  
 (A) मॉडल्स      (B) नमूना  
 (C) लक्ष्य      (D) ये सभी
- 134.** (D)

# प्रैक्टिस सेट-5

1. शरीर में कार्य पर भोजन का अध्ययन के रूप में परिभाषित है—
  - (A) विज्ञान
  - (B) खाद्य विज्ञान
  - (C) पथ्य
  - (D) पोषण
2. ..... भोजन में प्रोटीन और कैलोरी की गम्भीर कमी के कारण होता है।
  - (A) मरास्मस
  - (B) स्कर्की
  - (C) बेरी-बेरी
  - (D) घंघा
3. एक ऐसा आहार जिसमें भोजन के सभी आवश्यक घटक सही अनुपात में शामिल होते हैं, उसे कहा जाता है—
  - (A) वसायुक्त आहार
  - (B) सन्तुलित आहार
  - (C) गरिष्ठ आहार
  - (D) प्रोटीनयुक्त आहार
4. पौधों का प्रमुख भण्डारण पॉलिसेक्रेटराइड है—
  - (A) स्टार्च
  - (B) शक्कर
  - (C) कार्बोहाइड्रेट
  - (D) वसा
5. यकृत अतिरिक्त शर्करा को किस वस्तु में बदल देता है ?
  - (A) मण्ड
  - (B) सेल्यूलोज
  - (C) एंजाइम
  - (D) ग्लाइकोजन
6. मानव शरीर में प्रोटीन का प्रमुख कार्य निम्न में से कौन-सा है ?
  - (A) कब्ज को रोकती है
  - (B) हड्डियों और दाँतों को मजबूत बनाती है
  - (C) दृष्टि को सुधारती है
  - (D) ऊतकों की मरम्मत करना है
7. निम्न में से कौन-सा रंग गौरवशाली, प्रभावशाली और संपन्न माना जाता है ?
  - (A) नीला
  - (B) बैंगनी
  - (C) सफेद
  - (D) काला
8. निम्न वसा में से कौन-सा स्वरूप वसा माना जाता है ?
  - (A) पशु का वसा
  - (B) द्रान्स वसा
  - (C) संतृप्त वसा
  - (D) असंतृप्त वसा
9. कौन-से विटामिन की कमी से किसी वयस्क व्यक्ति में ऑस्टियोपोरोसिस में विकास के परिणामस्वरूप होती है ?
  - (A) विटामिन 'A'
  - (B) विटामिन 'D'
  - (C) विटामिन 'C'
  - (D) विटामिन 'K'
10. शरीर की आन्तरिक क्रियाओं को नियन्त्रित करने वाले पदार्थ हैं—
  - (A) कोशिका निर्माण करता
  - (B) मुख्य रूप से ऊर्जा प्रदान करता है
11. फलियों के अंकुरण से—
  - (A) वसा
  - (B) विटामिन
  - (C) फास्फोरस
  - (D) प्रोटीन
12. विटामिन C का सबसे अच्छा स्रोत है—
  - (A) सन्तरा
  - (B) पत्तागोभी
  - (C) आँवला
  - (D) स्प्राउट
13. सूक्ष्म तत्त्वों का एक उदाहरण है—
  - (A) ताँबा
  - (B) जल
  - (C) रक्त
  - (D) लार
14. निकोटिन एसिड की कमी से होने वाला रोग—
  - (A) स्कर्की
  - (B) बेरी-बेरी
  - (C) पैलेग्रा
  - (D) इनमें से कोई नहीं
15. पानी में घुलनशील विटामिन है—
  - (A) विटामिन E
  - (B) विटामिन K
  - (C) विटामिन B
  - (D) विटामिन A
16. "नाइट ब्लाइंडनेस" का अर्थ है—
  - (A) अंधेरे में न दिखना
  - (B) रात में न दिखना
  - (C) सूरज ढूबने के बाद न दिखना
  - (D) कम रोशनी में न दिखना
17. एक पाँच वर्ष के बच्चे को विटामिन ए (A) की दी जाने वाली 'डोजेज' की संख्या होनी चाहिए—
  - (A) 5
  - (B) 7
  - (C) 9
  - (D) 11
18. विटामिन जो सबसे आसानी से नष्ट हो जाता है—
  - (A) विटामिन 'सी'
  - (B) विटामिन 'ए'
  - (C) विटामिन 'ई'
  - (D) विटामिन 'के'
19. पित्त आवश्यक होते हैं—
  - (A) प्रोटीन पाचन के लिए
  - (B) कार्बोहाइड्रेट पाचन के लिए
  - (C) वसा पाचन के लिए
  - (D) उपर्युक्त सभी
20. शरीर में प्रोटीन—
  - (A) कोशिका निर्माण करता
  - (B) मुख्य रूप से ऊर्जा प्रदान करता है
21. एमाइलेज को ..... भी कहते हैं।
  - (A) एंजाइम
  - (B) टायलिन
  - (C) लाइसोजाइम
  - (D) इनमें से कोई नहीं
22. मनुष्य में कार्बोहाइड्रेट्स का पाचन कहाँ से प्रारम्भ हो जाता है ?
  - (A) मुख गुहा से
  - (B) अग्न्याशय से
  - (C) पक्वाशय से
  - (D) आँतों से
23. शर्करा को वर्गीकृत किया गया है, इस रूप में—
  - (A) विकारी खाद्य
  - (B) अर्द्धविकारी खाद्य
  - (C) गैर-विकारी खाद्य
  - (D) सुविधाजनक विकारी खाद्य
24. निम्नलिखित में से किसका प्रतिशत दूध में अधिक रहता है ?
  - (A) प्रोटीन
  - (B) वसा
  - (C) कार्बोहाइड्रेट
  - (D) खनिज
25. मानव शरीर में स्टार्च के पाचन के लिए सर्वाधिक उत्तरदायी एंजाइम है—
  - (A) एमाइलेज
  - (B) फास्फेटेज
  - (C) फास्फोराइलेज
  - (D) काइनेसिस
26. जल तथा भोजन किस जीव के कारण अधिकतर संक्रमित होते हैं?
  - (A) पिस्सू
  - (B) मकर्खी
  - (C) मछर
  - (D) चूहे
27. जैम और जैली में बढ़ने वाले उस जीव का नाम बताएँ जिसमें कम मुक्त ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है—
  - (A) प्रोटोजोआ
  - (B) मोल्ड्स
  - (C) बैक्टीरिया
  - (D) वायरस
28. भोजन में ऊर्जा का सबसे संकेंद्रित रूप निम्न में से कौन-सा है?
  - (A) कार्बोहाइड्रेट
  - (B) वसा
  - (C) प्रोटीन्स
  - (D) विटामिन्स
29. किसी व्यक्ति द्वारा वास्तविक आय के उपयोग या उपभोग के माध्यम से प्राप्त संतोष की भावना को क्या कहा जाता है ?
  - (A) धन की आय
  - (B) मूल आय
  - (C) भौतिक आय
  - (D) कुल आय

- 30.** पारिवारिक बजट को प्रभावित करता है, परिवार के सदस्यों का—  
 (A) आत्मनियन्त्रण (B) दूरदर्शिता  
 (C) मितव्ययिता (D) ये सभी
- 31.** निर्धन वर्ग की अपेक्षा धनी वर्ग का भोजन पर प्रतिशत व्यय होता है—  
 (A) अधिक (B) समान  
 (C) कम (D) प्रभावित नहीं
- 32.** जागरूक उपभोक्ता बनने के लिए व्यक्ति को—  
 (A) विल लेना आवश्यक नहीं है  
 (B) विज्ञापन से प्रभावित होना चाहिए  
 (C) उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए  
 (D) उपरोक्त में से कोई नहीं
- 33.** एक परिवार चलाने में शामिल जिम्मेदारियों के प्रबन्धन को कहा जाता है—  
 (A) गृह प्रबन्धन  
 (B) हाउसकीपिंग  
 (C) परिवार प्रबन्धन  
 (D) संसाधनों की देख-रेख
- 34.** ..... बालक को पहला ढालने वाला (मौल्डर) है।  
 (A) सोशल मीडिया (B) जल  
 (C) परिवार (D) रेत
- 35.** “जीविकोपार्जन के साधन और आभूषण आदि स्त्री धन है।” यह कथन है—  
 (A) कौटिल्य का (B) हेनरी मेन का  
 (C) व्यास का (D) इनमें से कोई नहीं
- 36.** व्यक्ति के जीवन में एक-दूसरे से गहरा सम्बन्ध रखते हैं—  
 (A) मूल्य, आयोजन, लक्ष्य  
 (B) लक्ष्य, आयोजन, स्तर  
 (C) मूल्य, लक्ष्य, स्तर  
 (D) स्तर, लक्ष्य, मूल्यांकन
- 37.** पाथवे चार्ट किससे सम्बन्धित है ?  
 (A) सुई और धागा (B) पेन और पेन्सिल  
 (C) पिन और सुई (D) पिन और धागा
- 38.** धन कैसा साधन है ?  
 (A) मानवीय  
 (B) अमानवीय  
 (C) मानवीय या अमानवीय दोनों  
 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- 39.** कार्य निष्पादन के लिए आवश्यक संसाधनों और पारिवारिक सदस्यों के कार्य को संयुक्त और समन्वित करने की प्रक्रिया यह है—  
 (A) योजना बनाना (B) संगठन करना  
 (C) नियंत्रित करना (D) कार्यान्वित करना
- 40.** किसी भवन में स्टील बीम डालकर भूकम्परोधी ढाँचा बनाने की प्रक्रिया कहलाती है—  
 (A) प्लास्टरिंग (B) रेट्रोफिटिंग  
 (C) प्लाइंटिंग (D) बाउंडिंग
- 41.** एक L-आकार का कैबिनेट व्यवस्था उपयुक्त है—  
 (A) केवल छोटी रसोई के लिए  
 (B) केवल बड़ी रसोई के लिए  
 (C) न तो बड़ी रसोई के लिए और न ही छोटी रसोई के लिए  
 (D) छोटी और बड़ी रसोई के लिए
- 42.** पाश्चात्य यन्त्र जो रसोई गृह में काम नहीं आता—  
 (A) मिक्सर ग्राइन्डर (B) बिजली की केतली  
 (C) कॉफी मेकर (D) कारेपेट स्वीपर
- 43.** कमरे की ऊँचाई बड़ी हुई दिखानी हो तो उसे उपयोग करना चाहिए—  
 (A) दीवारों पर खड़ी लाइन  
 (B) क्षितिज के समानान्तर (आड़ी) धारियाँ  
 (C) प्रनामी रंग  
 (D) लम्बे परदे
- 44.** समानुपातिक प्रभाव के नियामक हैं—  
 (A) केवल रेखा का प्रभाव  
 (B) केवल दूरी का प्रभाव  
 (C) रेखा, दूरी तथा माप का प्रभाव  
 (D) कोई भी नहीं
- 45.** अनुपात से तात्पर्य है “मापें एवं क्षेत्रों का एक-दूसरे से सम्पूर्ण रूप से सम्बन्ध” यह कथन है—  
 (A) रट का  
 (B) टी. क्रेग का  
 (C) स्टैलासुन्दरराज का  
 (D) विल्सर का
- 46.** टुकड़ों को जोड़कर जब एक वस्त्र बनाया जाता है, तो उसे इस रूप में वर्गीकृत किया जाता है—  
 (A) संरचनात्मक (B) सजीव  
 (C) सजावटी (D) अमृत
- 47.** त्रयात्मक रंग योजना में किस प्रकार के रंग समिश्रण का प्रयोग किया जाता है ?  
 (A) सन्निकट रंग (B) पूरक रंग  
 (C) समदूरस्थ रंग (D) विरोधी रंग
- 48.** निम्न में से कौन-सा द्वितीयक रंग है ?  
 (A) लाल (B) पीला  
 (C) नारंगी (D) नीला
- 49.** संवातन क्या है ?  
 (A) शुद्ध वायु का प्रवेश व अशुद्ध वायु का निष्कासन  
 (B) हल्की वायु का ऊपर उठना एवं भारी वायु का नीचे आना
- 50.** गृह विज्ञान का आर्थिक पहलू है—  
 (A) रसायन विज्ञान (B) जीव विज्ञान  
 (C) दर्शनशास्त्र (D) गणित अर्थशास्त्र
- 51.** संचारक की मुख्य विशेषताएँ हैं—  
 (A) विषय का ज्ञान (B) अच्छा व्यवहार  
 (C) रुचि (D) ये सभी
- 52.** विद्यार्थियों में सम्प्रेषण का अभिप्राय है—  
 (A) उन्हें कार्य करने हेतु कहना  
 (B) विचारों का आदान-प्रदान  
 (C) उन्हें निर्देश देना  
 (D) उन्हें अपने विचारों से मुक्त करना
- 53.** परिवार एवं शिशु कल्याण के लिए सबसे बड़ा सरकारी कार्यक्रम है—  
 (A) वेलफेर एक्सटेंशन प्रोटेक्ट  
 (B) एप्लाइड न्यूट्रेशन प्रोग्राम  
 (C) आई.सी.डी.एस. प्रोग्राम  
 (D) स्कूल मील प्रोग्राम
- 54.** भारत का कौन-सा राज्य प्राथमिक शिक्षा पर सर्वाधिक धनराशि खर्च करता है ?  
 (A) तमिलनाडु (B) महाराष्ट्र  
 (C) गुजरात (D) केरल
- 55.** बाल विकास का अध्ययन किया जाता है—  
 (A) किशोरावस्था तक  
 (B) बाल्यावस्था तक  
 (C) शैशवावस्था तक  
 (D) जीवनपर्यन्त
- 56.** किण्डरगार्डन के जन्मदाता थे—  
 (A) फ्रोबेल (B) जॉन ड्यूवी  
 (C) मारिया माण्टेसरी (D) मैकमिलन
- 57.** कौन-सी विधि बच्चों के पालन-पोषण में सम्मिलित नहीं है ?  
 (A) भोजन ग्रहण करना  
 (B) सतन त्याज्य  
 (C) बाल विकास का अध्ययन  
 (D) मल-मूत्र नियन्त्रण
- 58.** किसके अनुसार नैतिक विकास दो चरणों में होता है ?  
 (A) न्यूगार्टन (B) पियाजे  
 (C) हावीघस्ट (D) एरिक्सन
- 59.** विकास की कौन-सी दशा गैंग ऐज कहलाती है ?  
 (A) पूर्व बचपन  
 (B) उत्तर बचपन  
 (C) पूर्व किशोरावस्था  
 (D) उत्तर किशोरावस्था

- 60.** छः वर्ष के अन्त तक सिर का शरीर से क्या अनुपात होना चाहिए ?  
 (A) 40%                    (B) 23%  
 (C) 13%                    (D) 7%
- 61.** अधिगम एक प्रक्रिया है—  
 (A) संग्रह की  
 (B) अनुभव द्वारा अर्थ निर्माण की  
 (C) परीक्षा की तैयारी की  
 (D) याद करना
- 62.** मानव विकास होता है—  
 (A) क्रमिक                (B) निरन्तर  
 (C) वैयक्तिक            (D) ये सभी
- 63.** जन्म के पश्चात् नवजात शिशु का प्रथम सप्ताह में वजन कम हो जाता है, क्योंकि—  
 (A) उसे पर्याप्त भोजन नहीं मिलता  
 (B) वह बाह्य पर्यावरण में सामन्जस्य बैठाता है  
 (C) वह अधिक समय सोता है  
 (D) उसके स्वास्थ्य की देखभाल पर्याप्त हो जाती है
- 64.** शैशवावस्था का सबसे महत्वपूर्ण समायोजन है—  
 (A) तापमान  
 (B) श्वास लेना  
 (C) चूसना व निगलना  
 (D) उपर्युक्त सभी
- 65.** धीमा विकास करने वाले बच्चों की पहचान है—  
 (A) भावनात्मक व्यवहार में देरी  
 (B) सामाजिक व्यवहार में देरी  
 (C) गति व कुशलता में देरी  
 (D) बोलने में देरी
- 66.** नवजात शिशु में कौन-सी इन्द्रिय सबसे कम विकसित होती है ?  
 (A) देखना                (B) सुनना  
 (C) स्पर्श                (D) सूँघना
- 67.** अण्डाणु का विकास होता है—  
 (A) शैशवावस्था में  
 (B) किशोरावस्था में  
 (C) वयः सन्धिय अवस्था में  
 (D) बाल्यावस्था में
- 68.** विकास में होने वाले परिवर्तन होते हैं—  
 (A) रचनात्मक और विनाशात्मक  
 (B) रचनात्मक  
 (C) विनाशात्मक  
 (D) शारीरिक
- 69.** छः से बाहर वर्ष तक के काल को कहते हैं—  
 (A) बाल्यावस्था            (B) शैशवावस्था  
 (C) युवावस्था            (D) बुद्धिमत्ता
- 70.** पियाजे के ज्ञानात्मक सिद्धान्त में समाहारी परिचालन अवस्था की उम्र क्या है ?  
 (A) जन्म से दो वर्षों तक  
 (B) दो से सात वर्षों तक  
 (C) सात से ग्यारह वर्षों तक  
 (D) ग्यारह से प्रौढ़वास्था तक
- 71.** संज्ञानात्मक विकास की थ्योरी की अवस्थाएँ हैं—  
 (A) एकल अवस्था        (B) छः अवस्थाएँ  
 (C) चार अवस्थाएँ        (D) तीन अवस्थाएँ
- 72.** फ्रायड के अनुसार व्यक्ति सिर्फ़ तभी परिपक्व, स्वस्थ वयस्क बन सकता है यदि—  
 (A) विकास के दौरान गुणात्मक परिवर्तन हुए हों  
 (B) भावनात्मक दृन्द्रों का समाधान हो गया हो  
 (C) बच्चे के दोनों अभिभावक हों  
 (D) बच्चे को शारीरिक समृद्धि के लिए अवसर प्राप्त हुए हों
- 73.** शिशु का गला साफ करने के लिए किसका प्रयोग करना चाहिए ?  
 (A) ग्लिसरीन                (B) बोरिक लोशन  
 (C) जैतून का तेल        (D) ये सभी
- 74.** प्रत्येक गर्भवती स्त्री को प्रथम सात माह में स्वास्थ्य केन्द्र में परीक्षण करवाना चाहिए—  
 (A) प्रति सप्ताह            (B) माह में दो बार  
 (C) माह में एक बार        (D) माह में तीन बार
- 75.** भूमि में पहले नितंब आना, उसके बाद टाँगे तथा बौहूं और अंत में सिर आना। यह स्थिति है—  
 (A) बीच जन्म                (B) उपकरण जन्म  
 (C) प्राकृतिक जन्म        (D) तुरन्त जन्म
- 76.** प्रसव के बाद शिशु की नाल कब काटना चाहिए ?  
 (A) दो घण्टे बाद  
 (B) जब उसमें स्पन्दन रुके  
 (C) तत्काल  
 (D) जब चाहे
- 77.** ठोस पूरक भोज्य पदार्थ नहीं है—  
 (A) मसली हुई सब्जी  
 (B) मसले हुए फल  
 (C) उबला हुआ अण्डा  
 (D) जल
- 78.** माँ के स्तनों से निकला पहला पीला दूध होता है—  
 (A) सीरम                    (B) कॉलेस्ट्रोल  
 (C) कोलेस्ट्रम            (D) स्टीरोल
- 79.** नवजात शिशु आमतौर पर इससे पीड़ित रहते हैं—  
 (A) आँतों के संक्रमण से  
 (B) माता द्वारा यौन संक्रमित रोग से
- 80.** जन्म के समय नवजात शिशु के रोने से—  
 (A) श्वसन क्रिया आरम्भ होती है  
 (B) रक्त प्रवाह उत्तेजित होता है  
 (C) निदर्शित होता है कि वह भूखा है  
 (D) निदर्शित होता है कि वह दर्द में है
- 81.** बच्चों के व्यवहार के अध्ययन की कौन-सी विधि श्रेष्ठ है ?  
 (A) अवलोकन विधि  
 (B) प्रयोगात्मक  
 (C) मनोविश्लेषणात्मक  
 (D) साक्षात्कार
- 82.** बच्चों में नाखून चबाने की आदत के कारण कुछ भी हो सकते हैं सिवाय—  
 (A) हीन भावना  
 (B) असुरक्षा की भावना  
 (C) आत्मविश्वास की कमी  
 (D) पोषक तत्वों की कमी
- 83.** शैशवावस्था में बच्चों में कौन-सा संवेग नहीं होता है ?  
 (A) आनन्द                (B) क्रोध  
 (C) उत्साह                (D) डर
- 84.** बच्चे की भाषा का विकास प्रभावित होता है—  
 (A) परिपक्वता            (B) स्वास्थ्य  
 (C) प्रेरणा                (D) म्यूरहेड
- 85.** वस्तुनिष्ठ परीक्षण मुख्यतः आधारित होता है—  
 (A) स्मरण पर                (B) चिन्तन शक्ति पर  
 (C) सृजनात्मकता पर (D) लेखन कौशल पर
- 86.** खेल के उस प्रकार को क्या कहा जाता है जिसमें बच्चों को एक ही खेल खेलना होता है ?  
 (A) अकेले खेलना        (B) समन्वित खेल  
 (C) साहर्वद्य खेल        (D) बेतरतीब खेल
- 87.** व्यक्तित्व के उचित विकास के लिए बालक-बालिका सम्बन्ध किस प्रकार नियन्त्रित होने चाहिए ?  
 (A) पूर्ण रूप से मुक्त और स्वतन्त्र  
 (B) अत्यधिक कठोर अनुशासन द्वारा  
 (C) न अधिक कठोर न अधिक मुक्त  
 (D) चाहे जैसे
- 88.** अर्द्धसूत्री कोशिका विभाजन होते हैं—  
 (A) मानव शरीर के प्रजनन तन्त्र में  
 (B) मानव शरीर के प्रजनन तन्त्र के अतिरिक्त भाग में  
 (C) दाँत में  
 (D) किसी में नहीं

- 89.** प्राणी के शरीर में विभिन्न अंगों को बाँधे रखने का कार्यरूप है—  
 (A) पेशी कोशिकाओं का  
 (B) आच्छादक कोशिकाओं का  
 (C) संयोजी कोशिकाओं का  
 (D) तन्त्रिका कोशिकाओं का
- 90.** स्वस्थ शरीर में पेशियाँ सदा ही थोड़ी कसावट की स्थिति में रहती हैं, ताकि प्रत्येक समय क्रिया के लिए तत्पर रहें, यह तत्परता कहलाती है—  
 (A) पुष्टे (B) मसल टोन  
 (C) अल्ला टोन (D) कोई भी नहीं
- 91.** जब हड्डियाँ टूट जाती हैं, तो रक्त का थकना जम जाता है। इसे क्या कहा जाता है ?  
 (A) कैलस (B) हेमाटोमा  
 (C) हीमोफीलिया (D) हैमरेज
- 92.** लच्छे समय तक कठोर शारीरिक कार्य के बाद माँसपेशियों में थकान अनुभव होने का कारण है—  
 (A) ऑक्सीजन की पूर्ति में कमी  
 (B) ग्लूकोज का अवक्षय  
 (C) पेशीय तन्त्रों में टूट-फूट  
 (D) लैक्टिक एसिड में संचय
- 93.** पौष्टिकता की बढ़ोतरी से होने वाली दो बीमारी हैं—  
 (A) फोलोरिस और मोटापा  
 (B) गोइटर और मोटापा  
 (C) फोलोरिस और गोटरेट  
 (D) फोलोरिस और कैरेटनिज
- 94.** रेडियस तथा अल्ला अस्थियाँ भंग होने पर उसे स्थिर होने के लिए प्रयोग करना चाहिए—  
 (A) खपच्चियों का (B) रस्सियों का  
 (C) तेलों का (D) गर्म जल का
- 95.** अस्थि पंजर का कौन प्रमुख भाग नहीं है ?  
 (A) सिर (B) धड़  
 (C) अग्रांग (D) रक्त कण
- 96.** जब किसी कारण से फेफड़े तक ऑक्सीजन नहीं पहुँचती है तथा ऊतक को ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है, तो उस स्थिति को कहते हैं—  
 (A) एसफिक्सिया (B) लकवा  
 (C) बेरी-बेरी (D) एनीमिया
- 97.** अग्नाशयी रस की निर्मुक्ति किससे प्रेरित होती है ?  
 (A) एण्टीकिनेस  
 (B) कोलेसिस्टोकिनिन  
 (C) ट्रिप्सिनोजेज  
 (D) हिस्टामिन
- 98.** आंशिक रूप से पचा भोजन कहलाता है—  
 (A) काइम (B) विली  
 (C) रस (D) पेस्टिन
- 99.** लान्त्री में प्रयुक्त कपड़े धोने की मशीनों में सामान्यतः किस तरह की गति होती है ?  
 (A) रोटेशन (B) टम्बलिंग  
 (C) शेकिंग (D) एजिटेशन
- 100.** यकृत का मुख्य क्या कार्य है/होता है ?  
 (A) पित्त संग्रह करना  
 (B) अग्न्याशय स्राव बनाना  
 (C) पित्त बनाना  
 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- 101.** जठर रस किसे पचाता है ?  
 (A) केवल वसा को  
 (B) वसा और प्रोटीन दोनों को  
 (C) केवल प्रोटीन को  
 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- 102.** मानव शरीर में पाचन का अधिकांश भाग किस अंग में सम्पन्न होता है ?  
 (A) बड़ी आँत (B) छोटी आँत  
 (C) आमाशय (D) पैन्क्रियाज
- 103.** टेस्टोस्टीरोन हॉर्मोन उत्पन्न होता है—  
 (A) शुक्राशय में (B) अण्डाशय में  
 (C) अग्न्याशय में (D) बड़ी आँत में
- 104.** मस्तिष्क तथा रीढ़ रज्जु में पायी जाने वाली ऊर्जा कहलाती है—  
 (A) स्नायु ऊतक (B) ऐच्छिक  
 (C) पेशीय (D) उपकला
- 105.** मस्तिष्क के भाग हैं—  
 (A) वृहत् मस्तिष्क (B) लघु मस्तिष्क  
 (C) मध्य मस्तिष्क (D) ये सभी
- 106.** हमें सदैव श्वास लेनी चाहिए—  
 (A) मुँह से  
 (B) नाक से  
 (C) कभी मुँह से कभी नाक से  
 (D) चाहे जैसे
- 107.** कुष्ठ रोग के लक्षण हैं—  
 (A) संवेदन की अनुभूति का समाप्त हो जाना  
 (B) नाड़ियाँ बढ़ जाना तथा कोमल हो जाना  
 (C) त्वचा पर बड़ी ग्रन्थियाँ तथा फोड़े होना  
 (D) उपर्युक्त सभी
- 108.** पशुओं से मनुष्य तक पहुँचने वाला छूत रोग है—  
 (A) हाइड्रोफोबिया (B) रैबीज  
 (C) मियादी बुखार (D) यूकहा
- 109.** हैजा रोग फैलता है—  
 (A) गर्भियों में  
 (B) सर्दियों में  
 (C) तीर्थ स्थानों में, मेले में  
 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- 110.** वंशानुक्रम के वाहक हैं—  
 (A) रजकण (B) केन्द्रक  
 (C) जीन्स (D) क्रोमोसोम
- 111.** जल प्रदूषण का मुख्य स्रोत क्या है ?  
 (A) धुआँ  
 (B) औद्योगिक अपशिष्ट  
 (C) डिटर्जेंट  
 (D) अमोनिया
- 112.** सबसे ज्यादा ध्वनियों का शोर निम्न में से किससे है ?  
 (A) फौजी राइफल  
 (B) हवाई हमले में सायरन  
 (C) लाउडस्पीकर  
 (D) रॉक संगीत
- 113.** पी. ई. आर. टी है—  
 (A) डेटरामिनिस्ट मॉडल  
 (B) प्रोबेविलिस्टिक मॉडल  
 (C) टॉपिकल मॉडल  
 (D) डिडक्विट मॉडल
- 114.** “गृह व्यवस्था एक व्यावहारिक विज्ञान है” यह कथन है—  
 (A) गुड जॉन्सन का  
 (B) निकिल व डार्सी का  
 (C) ग्रास एवं क्रैण्डल का  
 (D) आर.एच. कोटजिन का
- 115.** सर्व शिक्षा अभियान (एस. एस. ए.) का आरम्भ इसलिए किया गया—  
 (A) शहरी क्षेत्रों में हाईस्कूल शिक्षा को सर्वव्यापक बनाना  
 (B) ग्रामीण क्षेत्रों में माध्यमिक स्कूल शिक्षा को सर्वव्यापक बनाना  
 (C) गैर-औपचारिक शिक्षा को सर्वव्यापक बनाना  
 (D) प्राथमिक शिक्षा को सर्वव्यापक बनाना
- 116.** ग्राम पंचायत का मुखिया कौन होता है ?  
 (A) ग्राम स्तर कार्यकर्ता  
 (B) खण्ड विकास अधिकारी  
 (C) सरपंच  
 (D) कमिशनर
- 117.** सांचियकी आँकड़ों का करती है—  
 (A) संकलन (B) वर्गीकरण  
 (C) सारणीयन (D) ये सभी
- 118.** साँप द्वारा काटे हुए पीड़ित व्यक्ति की देखभाल करते समय किस बात से बचा जाना चाहिए ?  
 (A) घावों को धोना  
 (B) काटे हुए भाग को स्थिर रखना और दिल से नीचे रखना

- (C) तीस मिनट के भीतर चिकित्सा देखभाल प्राप्त करना  
(D) काटे हुए भाग पर बर्फ लगाना
- 119.** रासायनिक विसंक्रामक है—  
(A) नीला थोथा  
(B) ब्लीचिंग पाउडर  
(C) पौटेशियम परमैनेट  
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- 120.** उत्तम स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है—  
(A) वातावरणीय स्वच्छता  
(B) शारीरिक स्वच्छता  
(C) उपर्युक्त में से कोई नहीं  
(D) उपर्युक्त दोनों
- 121.** आन्तरिक मूल्य महत्वपूर्ण है—  
(A) स्वयं के लिए  
(B) सबके लिए  
(C) अन्य मूल्य प्राप्त करने के लिए  
(D) संतुष्टि प्राप्ति के लिए
- 122.** गृह-सज्जा अभिव्यक्ति है—  
(A) पति की रुचि का  
(B) गृहिणी की रुचि का  
(C) समाज की रुचि का  
(D) वैयक्तिक एवं परिवार की रुचि का
- 123.** मानव व्यवहार में प्रेरणा तत्व है—  
(A) मूल्य (B) स्तर  
(C) लक्ष्य (D) ये सभी
- 124.** कॉफी बनाना ..... निर्णय का एक उदाहरण है।  
(A) आदतन (B) तुरन्त  
(C) चेतन (D) आपाती
- 125.** अत्यधिक ज्वलनशील रासायनिक विलायक जो सूखी धुलाई के लिए प्रयुक्त होता है—  
(A) कार्बन टेट्राक्लोराइट्स  
(B) बेन्जीन  
(C) पेट्रोल  
(D) फॉर्मलिडहाइड

## व्याख्यात्मक हल

1. (D) शरीर में कार्य पर भोजन का अध्ययन पोषण कहलाता है। जिस प्रक्रिया से भोजन और आहार के जो गुण या तत्व इत्यादि शरीर को प्राप्त होते हैं, जैसे-प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, खनिज एवं लवण उसे पोषण (Nutrition) कहते हैं।
2. (A) मरास्मस रोग कुपोषण से होने वाली एक बीमारी है, यह मुख्यतः भोज्य पदार्थों में प्रोटीन तथा विटामिन के कारण से होती है।

है जिसमें माँसपेशियाँ, वसा तथा ऊतकों को अधिक नुकसान पहुँचता है। यह रोग प्रायः उन बच्चों में पाया जाता है जिनको उचित मात्रा में पोषण नहीं मिल पाता है। यह बीमारी आमतौर पर विकासशील देशों में होती है। मरास्मस जानलेवा हो सकती है, किन्तु इसका इलाज भी होता है। इस बीमारी में संक्रमण आम बात है। इसलिए एंटीबायोटिक दवाएँ भी देनी चाहिए।

3. (B) एक ऐसा आहार जिसमें भोजन के सभी आवश्यक घटक सही अनुपात में शामिल होते हैं, उसे सन्तुलित भोजन कहते हैं। जिस भोजन में हमारे शरीर के विकास के लिए जरूरी पोषक तत्व हों, वह सन्तुलित आहार कहलाता है। हमारा शरीर अपनी ऊर्जा के लिए भोजन पर निर्भर रहता है। हमें अपनी जरूरी शारीरिक विधियों के लिए तमाम तत्वों की आवश्यकता होती है।
4. (A) पॉलिसेसेकराइड स्टार्च है। यह पौधों का प्रमुख भण्डारण है। स्टार्च प्रायः एमाइलोपेक्टिन और एमाइलोज से मिलकर बना होता है। इसका सूत्र  $(C_6H_{10}O_6)_n$  होता है। यह श्वेत पाउडर के रूप में पाया जाता है। वनस्पति द्वारा स्टार्च की अधिक मात्रा प्राप्त होती है।
5. (D) यकृत अतिरिक्त शर्करा को ग्लाइकोजन के रूप में बदल देता है। ग्लूकोज से बनने वाले ग्लाइकोजन को संग्रहीत करना आवश्यकता होने पर ग्लाइकोजन ग्लूकोज में परिवर्तित होकर रक्तधारा में प्रवाहित हो जाता है। यकृत ग्लूकोज से बनने वाले ग्लाइकोजन को संग्रहीत करता है।
6. (D) प्रोटीन का मुख्य कार्य शरीर की आधारभूत संरचना की स्थापना एवं एंजाइम के रूप में शरीर की जैव रासायनिक क्रियाओं का संचालन करना है। आवश्यकतानुसार इससे ऊर्जा भी मिलती है। प्रोटीन सैकड़ों या हजारों छोटी इकाइयों से बने होते हैं, जिन्हें अमीनो एसिड कहा जाता है। प्रोटीन हमारी कोशिकाओं के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण अणु हैं, जो सभी जीवों के लिए आवश्यक घटक हैं। मुख्यतः प्रोटीन कोशिकाओं के लिए काम करते हैं और शरीर के ऊतकों, अंगों की संरचना, कार्य और विनियमन के लिए आवश्यक होते हैं।
7. (B) बैंगनी रंग गौरवशाली, प्रभावशाली और संपन्न माना जाता है। यह रंग लाल और नीले, दो रंगों से मिलकर बना है। जहाँ लाल रंग से जुड़ी हैं प्यारा और गर्मजोशी की भावनाएँ वहीं नीला रंग शीतलता का अहसास कराता है। इस तरह दोनों के

संयोग से बना बैंगनी आदर्श रंग माना जाता है।

8. (D) असंतुप्त वसा को स्वस्थ वसा माना जाता है। असंतुप्त वसा मेवा, एवोकेडों और जैतून जैसे खाद्य पदार्थों में पाई जाती है। वह कमरे के तापमान पर तरल दशा में रहती है और संतुप्त वसा से उनकी रासायनिक संरचना भिन्न होती है क्योंकि इसमें दोहरे बंधन होते हैं। इसके अतिरिक्त असंतुप्त वसा स्वास्थ्य के लिए, हृदय के लिए उत्तम है। उसमें एल.डी.एल. कोलेस्ट्रल को कम करने की क्षमता होती है। लाइपोप्रोटीन कोलेस्ट्रल बढ़ाती है।
9. (B) विटामिन-D की कमी से किसी वयस्क व्यक्ति में ऑस्टियोपेरोसिस नामक रोग हो जाता है। यह एक हड्डी से सम्बन्धित रोग है जिसमें कैल्शियम की कमी के कारण हड्डियाँ इतनी कमजोर हो जाती हैं कि वे बुरादे की तरह झड़ने लगती हैं। इस रोग से पीड़ित मरीज में छोंकने से भी फ्रैक्चर होने की आशंका बढ़ जाती है। यह विटामिन-D सूर्य से प्राप्त होता है। विटामिन-D की कमी के कारण हड्डियाँ कमजोर होकर टूट जाती हैं।
10. (B) शरीर की आन्तरिक क्रियाओं को नियन्त्रित करने वाले पदार्थ विटामिन्स हैं। विटामिन का सेवन शरीर के उचित विकास और अन्य कार्यों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण है।
11. (D) फलियों के अंकुरण से विटामिन C की मात्रा बढ़ती है। विटामिन C खट्टे रसदार फल; जैसे—आँवला, नारंगी, नींबू, संतरा, बेर, कटहल, पुदीना, अमरुद, चौलाई, सेब, दूध, पालक आदि में मिलता है।
12. (C) आँवला विटामिन 'सी' का अच्छा स्रोत है। विटामिन 'सी' सन्तरा, नींबू, अनानास, बदंगोभी, सहजन की पत्तियाँ, मूली आदि में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा दालों में भी विटामिन सी पाया जाता है। विटामिन 'सी' शीघ्रता से घाव भरने में सहायक है।
13. (A) ताँबा सूक्ष्म तत्वों का एक उदाहरण है। ताँबा की अल्प मात्रा हमारे स्वास्थ्य के लिए अति महत्वपूर्ण है व आवश्यक खनिज लवण है। यह प्रोटीन के साथ मिलकर होमोक्यूप्रिन एवं सेरोलोप्लाज्मिन के रूप में उपचित होता है। कॉपर में धात्विक चमक होती है। कॉपर को यदि हवा और नली के सम्पर्क में रख दिया जाय, तो उसके ऊपर संक्षारण की परत

- जम जाती है। संक्षारण की परत कार्बोनेट बनने के कारण बनती है।
14. (D) निकोटिन की कमी से कई रोग नहीं होता है, जबकि इसकी अधिकता से रोग हो जाता है। इसकी अधिकता से लीवर की बीमारी, किडनी की बीमारी और कैंसर होता है।
15. (C) विटामिन B पानी में घुलनशील विटामिन है, जबकि विटामिन A, D, E और K वसा में घुलनशील विटामिन हैं। विटामिन B समूह या काम्पलेक्स शरीर को जीवन शक्ति देने के लिए अति आवश्यक है। इस विटामिन की कमी से शरीर अनेक रोगों का गढ़ बन जाता है। विटामिन B के कई विभागों की खोज की जा चुकी है। ये सभी विभाग मिलकर ही विटामिन B काम्पलेक्स कहलाते हैं।
16. (A) नाइट ब्लाइंडनेस का आशय रत्तौंधी से है। इससे आँखों के सामने अंधेरा-सा छा जाता है साथ ही अंधेरे में दिखाई नहीं देता है। रत्तौंधी विटामिन 'ए' की कमी से होती है। रत्तौंधी अपने आप में एक स्थिति नहीं है बल्कि एक मौजूदा नेत्र विकार है।
17. (C) 9 माह से 5 साल तक के बच्चों को छमाही विटामिन-ए की खुराक दी जाती है। इसलिए एक पाँच वर्ष के बच्चों को दी जाने वाली डोजेज की संख्या 9 होगी।
18. (A) विटामिन 'सी' सबसे आसानी से नष्ट होने वाला विटामिन है। इस विटामिन की कमी से स्कर्वी नामक रोग हो जाता है। इसका pH मान 7.7 होता है। पित्त का कार्य खाए हुए द्रवों को अपनी स्वाभाविक उत्थाता से पचाना और रस मूत्र और मल को अलग-अलग करना पित्त लवण वसा के पाचन में सहायक होता है।
19. (C) पित्त गहरे या हरे रंग का द्रव है, जो पाचन में सहायक होता है। इसका pH मान 7.7 होता है। पित्त का कार्य खाए हुए द्रवों को अपनी स्वाभाविक उत्थाता से पचाना और रस मूत्र और मल को अलग-अलग करना पित्त लवण वसा के पाचन में सहायक होता है।
20. (A) शरीर में प्रोटीन कोशिका का निर्माण करता है। भोजन में अपेक्षित मात्रा में प्रोटीन आवश्यक है। यदि किसी प्रोटीन में सभी आवश्यक अमीनो अम्ल उपस्थित हों, तो इस प्रोटीन को आदर्श या सम्पूर्ण प्रोटीन कहते हैं। जानवरों से प्राप्त प्रोटीन; जैसे—मांस, मछली, मुर्गा, अण्डा, दूध आदि इस श्रेणी में आते हैं और वनस्पतियों से प्राप्त प्रोटीन; जैसे—अनाज, दालें, फल, सब्जियाँ आदि इस श्रेणी में आते हैं।
21. (B) लार में एमाइलेज एंजाइम पाया जाता है जिसे टायलिन एंजाइम भी कहा जाता है। टायलिन एंजाइम की रासायनिक
- क्रिया विशेषकर कार्बोहाइड्रेट पर होती है। जिससे उसका स्टार्च पहले डेक्स्ट्रिन में और तत्पश्चात् ग्लूकोज में परिवर्तित हो जाता है। साधारण ईख की चीनी में भी यही परिवर्तन होता है।
22. (A) मनुष्य में कार्बोहाइड्रेट का पाचन मुख गुहा से प्रारम्भ होता है। भोजन को चबाते समय ही लार में उपस्थित टायलिन एंजाइम कार्बोहाइड्रेट में रासायनिक परिवर्तन शुरू कर देता है। तदुपरान्त पाचन से अग्न्याशय और यकृत इन दो बड़ी ग्रन्थियों का बहुत गहरा सम्बन्ध है। यह बहुत ही प्रबल पाचक रस है जिसकी क्रिया कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन तथा वसा तीनों घटकों पर होती है।
23. (C) शर्करा या चीनी एक क्रिस्टलीय खाद्य पदार्थ है। इसे गैर-विकारी खाद्य पदार्थ के रूप में वर्गीकृत किया गया है। शर्करा के कई रूप हैं, जैसे—सुक्रोज, माल्टोज, फ्रैक्टोज और ग्लूकोज आदि।
24. (C) नवजात शिशु तब तक दूध पर निर्भर रहता है जब तक वह अन्य पदार्थों का सेवन करने में अक्षम रहता है। दूध में 87% जल, कार्बोहाइड्रेट 4.9%, वसा 3.7%, प्रोटीन 3.5%, लवण 1.0% पाया जाता है। इसके अलावा विटामिन 'ए', 'डी', 'के' और 'ई' सहित फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयोडीन व कई खनिज और वसा पाए जाते हैं।
25. (A) मानव शरीर में स्टार्च के पाचन के लिए सर्वाधिक उत्तरदायी लार का एंजाइम एमाइलेज जो स्टार्च को शर्करा में तोड़ता है। लार मानव एवं अधिकांश जानवरों के मुँह में उत्पादित पानी जैसा और आमतौर पर एक झागदार पदार्थ है।
26. (B) जल तथा भोजन सर्वाधिक मक्खी से प्रदूषित होते हैं। मक्खी हमारे लिए चुनौती बनी हुई है। मक्खी द्वारा फैलने वाली 65 प्रकार की बीमारियाँ हैं। घरेलू मक्खी भी बहुत हानिकारक है। इसलिए हमें अपने घर को साफ रखना चाहिए, मक्खियों को भगाना चाहिए।
27. (C) जैम और जैली में बढ़ने वाले जीव का नाम बैक्टीरिया है, जिससे कम मुक्त ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। जैम और जैली ऐसी खाने की चीज हैं, जो कि हर तरह के आयु के लोगों को पसन्द आती है। हमारे देश में जैम और जैली के व्यापार की माँग भी काफी अच्छी है।
28. (A) भोजन में ऊर्जा का सबसे संकेंद्रित रूप कार्बोहाइड्रेट है। कार्बोहाइड्रेट ऊर्जा के बहुत ही सस्ते स्रोत हैं। एक ग्राम कार्बोहाइड्रेट से
- ऊर्जा की चार कैलोरी मिलती है। ग्लूकोज ऊर्जा का मुख्य स्रोत है। इसलिए शरीर में सभी प्रकार के कार्बोहाइड्रेट को ग्लूकोज में परिवर्तित किया जाता है।
29. (C) संतोष की भावना अभौतिक आय के अन्तर्गत आती है। किसी व्यक्ति द्वारा वास्तविक आय के उपयोग या उपभोग के माध्यम से संतोष की भावना प्राप्त होती है।
30. (D) पारिवारिक बजट को प्रभावित करने वाले कारक परिवार के सदस्यों का आत्म-नियन्त्रण, दूरदर्शिता और मितव्ययिता आदि हैं। इसके विपरीत यदि परिवार के रहन-सहन के स्तर को सामान्य या सामान्य से निम्न रखा जाए तो पारिवारिक व्यय काफी कम हो सकता है।
31. (C) निर्धन वर्ग की अपेक्षा धनी वर्ग का भोजन पर कम प्रतिशत व्यय होता है। सामाजिक संरचना के आधार पर हमारा समाज मुख्य रूप से तीन वर्गों में विभाजित है—धनी, निर्धन और मध्यम वर्ग। जैसे-जैसे व्यक्ति की पारिवारिक आय बढ़ती है। वैसे-वैसे भोजन पर व्यय होने वाली राशि का प्रतिशत कम होता जाता है। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मनोरंजन पर व्यय के प्रतिशत का मान बढ़ता चला जाता है। वस्त्र, गृह, प्रकाश एवं ईंधन पर व्यय का प्रतिशत पूर्ववत् ही रहता है।
32. (C) जागरूक उपभोक्ता बनने के लिए व्यक्ति को उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए। उनमें अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता पैदा करना। शोषण के खिलाफ संरक्षण निर्माताओं और विक्रेताओं के कम वजन, बाजार मूल्य से अधिक कीमत लेना आदि के प्रति जागरूक होना।
33. (A) एक परिवार चलाने में शामिल जिम्मेदारियों के प्रबन्धन को गृह प्रबन्धन कहते हैं। गृह प्रबन्धन गृह को सुरक्षित, संरक्षित, बेहतर बनाने और उसके रख-रखाव की प्रक्रिया है। एक अच्छा व्यवस्थित घर अधिक संतुष्टि देता है, धन बचाता है और समय प्रबन्धन में सुधार लाता है। प्रभावी गृह व्यवस्था अच्छी व्यवस्था है।
34. (C) बालक को पहला ढालने वाला (मोल्डर) उसका परिवार है। बालक जिस परिवेश में रहता है वहाँ के वातावरण से संस्कार सीखता है। बालक के जीवन पर उसके परिवार का प्रत्यक्ष रूप से प्रभाव पड़ता है। परिवार बालक की प्रथम पाठशाला और माँ को बालक की प्रथम शिक्षिका कहा

- जाता है। परिवार से बालक अपने जीवन का नैतिक पाठ सीखता है।
35. (B) हेनरी मेन का कथन है कि जीविकोपार्जन के साधन और आभूषण आदि स्त्री धन है।
36. (C) मूल्य, लक्ष्य और स्तर किसी भी व्यक्ति के जीवन में एक-दूसरे से गहरा सम्बन्ध रखते हैं। इंसान के जीवन में इनका अहम् योगदान रहता है। क्योंकि इन्हीं के आधार पर अच्छा-बुरा या सही-गलत की परख की जाती है। ये तीनों एक-दूसरे के सम्पूरक हैं।
37. (D) इस विधि का प्रयोग सबसे पहले गिलवर्ड के द्वारा किया गया। इस विधि में सबसे पहले मकान का फ्लोर प्लान माप कर तख्ते पर बना लिया जाता है। पिन एवं धागे की सहायता से ड्राइंग बोर्ड पर नक्से में जिस स्थान से कार्यकर्ता मुड़ते हैं वहाँ पिन लगायी जाती है।
38. (B) धन, उत्पादन का अमानवीय साधन है। जबकि श्रम, उत्पादन का मानवीय तथा सक्रिय साधन है। धन की मदद से उत्पादन के शेष अन्य साधनों को इकट्ठा करके उत्पादन कार्य किया जाता है। उत्पादन के शेष साधन पूँजी, संगठन तथा साहस हैं।
39. (A) योजना बनाना कार्य निष्पादन के लिए आवश्यक संसाधनों और पारिवारिक सदस्यों के कार्य को संयुक्त और समन्वित करने की प्रक्रिया है।
40. (B) किसी भवन में स्टील बीम डालकर भूकम्परोधी ढाँचा बनाने की प्रक्रिया रेट्रोफिटिंग कहलाती है। रेट्रोफिटिंग से तात्पर्य नई तकनीकी या पुराने सिस्टम से जुड़ी विशेषताओं से है।
41. (B) एक L-आकार का कैबिनेट व्यवस्था केवल बड़ी रसोई के लिए उपयुक्त है। एक-दो दीवारों वाला ले आउट, एक L के आकार का रसोईघर छोटे घरों के लिए उपयुक्त है। यह डिजाइन कोने की जगह को अधिकतम करता है और उपकरणों के उपयोग में लचीलापन अपनाता है।
42. (D) कारपेट स्वीपर पाश्चात्य यन्त्र रसोईघर में काम नहीं आता है। कारपेट स्वीपर कारपेट की धूल और मिट्टी को खींचकर उसे साफ-सुथरा बनाता है।
43. (A) कमरे की ऊँचाई बड़ी हुई दिखाने के लिए सजावट में खड़ी लाइनों का प्रयोग करना चाहिए जिससे उसकी ऊँचाई बड़ी हुई लगेगी।
44. (C) आकृतियों में समानुपातिक प्रमाण उत्पन्न करने के लिए रेखा, दूरी तथा विभिन्न मापों का प्रयोग किया जाता है। किसी वित्र में कुछ आकृतियाँ बहुत बड़ी और शेष आकृतियाँ बहुत छोटी अंकित होंगी तो वित्र में सामंजस्य का अभाव उत्पन्न होगा। ऐसी स्थिति में या तो हमें छोटी आकृतियों को परिप्रेक्षीय दूरी में कल्पित करना होगा या फिर उन्हें भीमकाय प्राणी अथवा बौनों के रूप में सोचना पड़ेगा। खड़ी अथवा पड़ी रेखाओं के प्रयोग से भी आकृतियाँ छोटी या बड़ी प्रतीत होती हैं और उनके अनुपात भी प्रभावित होते हैं।
45. (C) स्टैलासुन्दरराज के अनुसार अनुपात से तात्पर्य है—“मापों एवं क्षेत्रों का एक-दूसरे से सम्पूर्ण रूप से सम्बन्ध।” अनुपात के मुख्य तीन तत्त्व हैं—अनुपात में लाइन, दूरी और माप।
46. (C) सजावट के अन्तर्गत हम कपड़े के छोटे टुकड़ों को जोड़कर एक सजावटी वस्त्र का निर्माण कर सकते हैं और उसे सजावटी की संज्ञा दी जा सकती है।
47. (D) त्रयात्मक रंग योजना में विरोधी रंगों के सम्मिश्रण का प्रयोग कर सकते हैं।
48. (C) नारंगी द्वितीयक रंग है। द्वितीयक रंग वह रंग होते हैं, जो दो प्राथमिक रंगों के मिश्रण से प्राप्त किए जाते हैं। द्वितीयक रंग रानी, सियान व नारंगी हैं। नारंगी रंग बहुत चर्त्ख व तीखा गाढ़ा माना जाता है। इसमें दोनों गर्म (ऊष्ण) रंगों को मिलाकर एक नवीन रंग बनाया जाता है।
49. (C) शुद्ध वायु का प्रवेश व अशुद्ध वायु का निष्कासन अर्थात् किसी स्थान से गंदी वायु निकलकर वहाँ स्वच्छ वायु पहुँचना संवातन है। हल्की वायु का ऊपर उठना एवं भारी वायु का नीचे आना भी संवातन ही है।
50. (D) गृह विज्ञान का आर्थिक पहलू है गणित अर्थशास्त्र या सामान्य गणित का ज्ञान जो गृह-गणित कहलाता है। इसके द्वारा क्रय-विक्रय में लाभ-हानि, प्रतिशत में साधारण व्याज सम्बन्धी सरल गणनाओं का ज्ञान प्राप्त होता है। गृह-गणित का सामान्य ज्ञान परिवार की अर्थव्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में भी सहायक होता है।
51. (D) एक संचारक की मुख्य विशेषताएँ होनी चाहिए—(1) विषय का ज्ञान, यदि विषय का समुचित ज्ञान नहीं है, तो वह अपना अच्छा कार्य नहीं कर पाएगा। (2) एक संचारक को व्यवहार कुशलता में दक्ष होना चाहिए, (3) उसे अपने कार्य के प्रति रुचि होना आवश्यक है। (4) नवीन तकनीकी पर यकीन और उसका ज्ञान भी आवश्यक है। (5) उसका व्यवहार, पूर्णतः सहानुभूति-पूर्वक होना आवश्यक है।
52. (D) विद्यार्थियों में सम्प्रेषण से अभिप्राय है उन्हें अपने विचारों से मुक्त करना।
53. (C) बच्चों के समग्र विकास के लिए दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे अनोखा कार्यक्रम समेकित बाल विकास सेवा (ICDS) जिसके अन्तर्गत पूरक पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य जाँच और रेफरल सेवाएँ हैं।
54. (D) भारत का केरल एक ऐसा राज्य है, जो अपने यहाँ प्राथमिक शिक्षा पर सर्वाधिक धन खर्च करता है। केरल प्राथमिक शिक्षा में 100% साक्षरता हासिल करने वाला पहला राज्य है।
55. (A) बाल विकास (बच्चे का विकास) बच्चे के जन्म से लेकर किशोरावस्था के अन्त तक उसमें होने वाले जैविक और मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों का अध्ययन करते हैं।
56. (A) किंडरगार्डन प्रणाली के जन्मदाता फ्रोबेल महोदय हैं। किंडरगार्डन का अर्थ है—बच्चों का उद्यान। फ्रोबेल बच्चों को एक अविकसित पौधा मानते थे जिन्हें स्कूल में अध्यापकरूपी माली द्वारा सीधकर बड़ा और योग्य बनाया जाता है। किंडरगार्डन बच्चों का एक छोटा-सा स्कूल है जहाँ बच्चों को चटाई बुनने, मिट्टी की मूर्ति बनाना सिखाते हैं।
57. (C) जब कोई बच्चा जन्म लेता है, तो सर्वप्रथम अपनी माँ के दूध के सहारे जीता है और उसके ही सान्निध्य में पलता है। इसके बाद वह अपने परिवार और अपने आप को बातावरण के अनुकूल ढालता है और तदनुरूप उसका पोषण होता है। बच्चों के पोषण में बाल विकास का अध्ययन सम्मिलित नहीं है।
58. (B) पियाजे ने नैतिक विकास को दो चरणों में विभाजित किया है। पियाजे की तरह ही कोहलबर्ग ने भी पाया कि ये चरण सार्वभौमिक होते हैं।
59. (C) पूर्व बाल्यावस्था में बालक में विभिन्न सामाजिक व्यवहार का निर्माण हो जाता है और वह टोलीया या गैंग में रहना पसन्द करता है। इसलिए उसे गैंग ऐज कहा जाता है।
60. (D) छ: वर्ष की अवस्था में बालक का मस्तिष्क लगभग परिपक्व हो जाता है। इसके उपरान्त भी उसका विकास रुकता नहीं है। वह किशोरावस्था तक चलता रहता है। इस अवस्था में सिर का अनुपात 7% होना चाहिए।
61. (D) अधिगम प्रक्रिया अनुभव द्वारा अर्थ निर्माणी की प्रक्रिया है। अधिगम की क्रिया चेतन अथवा अचेतन रूप में जीवन-पर्यन्त चलती

- रहती है। व्यक्ति का विकास अधिगम प्रक्रिया के माध्यम से ही होता है। इसका आधार है परिपक्वता अधिगम की प्रक्रिया में प्रेरणा का होना जरूरी है।
62. (D) मानव विकास होता है—क्रमिक, निरन्तर और वैयक्तिक। मानव विकास वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा लोगों को उपलब्ध विकल्पों की संख्या में वृद्धि होती है। मनुष्य के जन्म से लेकर किशोरावस्था के अन्त तक उसमें होने वाले जैविक और मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों को मानव विकास कहते हैं, जब वह धीरे-धीरे निर्भरता से और अधिक स्वायत्तता की ओर बढ़ते हैं।
63. (B) जन्म के पश्चात् नवजात शिशु का प्रथम सप्ताह में वजन कम हो जाता है, किन्तु 10 दिन तक अधिकांश शिशु अपना पूर्व वजन प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि शिशु बाह्य पर्यावरण में सामन्जस्य बैठता है।
64. (D) यद्यपि नवजात शिशु को माल होता है, किन्तु उसमें समायोजन की अद्भुत क्षमता होती है। गर्भ में जहाँ उसके समस्त कार्य माँ के माध्यम से सम्पादित होते हैं उन्हें वह स्वतः सम्पादित करता है।
65. (C) धीमी गति से विकास करने वाले बच्चों की पहचान उनकी गति व कुशलता से करेंगे। सीमित गति से विकास करने वाले बच्चों का बौद्धिक विकास सीमित है। इस बात की पूरी सम्भावना रहती है। फिर घर और स्कूल में कुछ बच्चे ऐसे भी होंगे जिनका विकास धीमी गति से होता होगा। उनके सीखने की गति भी विकास की तरह धीमी ही रहती है।
66. (D) सूँधना नवजात शिशु में सबसे कम विकसित होता है। जैसे-जैसे नवजात शिशु बड़ा होता है, वैसे-वैसे नवजात शिशु में सूँधने की क्षमता बढ़ती जाती है।
67. (C) वयः सन्धि प्रायः उस अवस्था को कहा जाता है जब बाल्यावस्था जा रही होती है और किशोरावस्था का आगमन होता है। यह बारह से पन्द्रह वर्ष के मध्य की अवस्था है। यह अत्यन्त नाजुक अवस्था है। इस अवस्था में अनेक शारीरिक व मानसिक परिवर्तन होना स्वाभाविक है। इस अवस्था में अण्डाणु का विकास होने लगता है तथा दाढ़ी-मूँछ के बाल उगना, आवाज का भारी होना आदि हार्मोन्स के परिवर्तन से होता है।
68. (B) विकास एक प्रक्रिया है जिसमें वृद्धि, परिपक्वता और अधिगम को सम्मिलित किया जाता है। सामान्य मनोवैज्ञानिक
- प्रक्रिया में इसका संबंध जन्म से मृत्यु के बीच होने वाले परिवर्तनों से है। यह रचनात्मक होते हैं।
69. (A) लसो ने छः से बारह वर्ष की आयु को बाल्यावस्था के अन्तर्गत वर्गीकृत किया है। विकास की विभिन्न अवस्थाओं के मध्य यह एक महत्वपूर्ण अवस्था है।
70. (C) जीन पियाजे द्वारा प्रतिपादित संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त मानव बुद्धि की प्रकृति एवं उसके विकास से सम्बन्धित एक विशद सिद्धान्त है। इस सिद्धान्त के अन्तर्गत समाहरी परिचालन अवस्था की उम्र 7 से 11 वर्षों की अवस्था होती है।
71. (C) जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास तंत्रिका विज्ञान तथा मनोविज्ञान का एक अध्ययन क्षेत्र है जिसमें बालक द्वारा सूचना प्रसंस्करण, भाषा सीखने तथा मस्तिष्क के विकास के अन्य पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। संज्ञानात्मक विकास की चार अवस्थाएँ हैं—(1) संवेदी पैशीय अवस्था—जन्म के दो वर्ष, (2) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था—2 से 7 वर्ष, (3) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था—7 से 11 वर्ष, (4) अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था—11 से 15 वर्ष होती है।
72. (B) व्यक्तित्व के विकास की व्याख्या के लिए सिमंड फ्रायड ने सर्वप्रथम मनो-विश्लेषणात्मक सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। फ्रायड के अनुसार व्यक्ति सिर्फ तभी परिपक्व स्वस्थ वयस्क बन सकता है यदि भावनात्मक द्वन्द्वों का समाधान हो गया हो। फ्रायड के अनुसार व्यक्ति के भीतर कामुकता तथा व्यक्तित्व का विकास साथ-साथ चलता रहता है और भावी व्यक्तित्व विकास पर बाल्यकालीन भावनाओं का सशक्त प्रभाव पड़ता है।
73. (B) अक्सर गर्भियों में शिशु को पसीना आता है, जो गले में जमने से रेशेज की समस्या हो सकती है। इसलिए शिशु को पसीने और रेशेज से बचाने के लिए बोरिक लोशन का प्रयोग करते हैं।
74. (C) प्रत्येक गर्भवती को प्रथम सात माह में स्वास्थ्य केन्द्र में परीक्षण करवाने माह में एक बार अवश्य जाना चाहिए, जिससे उसे गर्भस्थ शिशु के विषय में प्रति माह जानकारी मिलती रहेंगी और बच्चे के समुचित विकास में सहयोग भी।
75. (A) बीच जन्म ऐसी स्थिति होती है जिसमें प्रथम शिशु के निंतंब आना उसके पश्चात् टांगे
- और बाँहें और अन्त में सिर आना। यह प्रक्रिया बीच जन्म की स्थिति में होती है।
76. (B) प्रसव के कुछ समय पश्चात् जब उसमें स्पंदन रुक जाता है तब इसके नाभि से थोड़ी ऊपर काट दिया जाता है जो बाद में 8 से 10 दिनों में सूखकर अलग हो जाता है, गर्भनाल माँ एवं बच्चे को जोड़ने का कार्य करती है तथा उसे जरूरी पोषण व रोगों के संक्रमण से सुरक्षित रखने का कार्य करती है।
77. (D) जल ठोस पूरक पदार्थ नहीं है। शिशु को छः माह के बाद केवल स्तन दूध शिशु को पर्याप्त पोषक तत्व प्रदान नहीं कर पाता विशेषकर आयरन। इसके लिए उसे ठोस पर्याप्त आहार धीरे-धीरे देना शुरू करना चाहिए; जैसे—मसली हुई सब्जी, मसले हुए फल, उबला हुआ अण्डा आदि।
78. (C) नवजात शिशु में जन्म के बाद माँ के स्तनों से निकला पहला पीला दूध को लेस्ट्रम कहलाता है। अधिकांशतः यह गर्भावस्था के दौरान थोड़ा रिस्ता रहता है। कोलेस्ट्रम मात्रा में कम होता है, किन्तु इसमें बहुत शक्ति होती है।
79. (B) नवजात शिशु आमतौर पर माता द्वारा यौन संक्रमण रोग से पीड़ित रहते हैं। इस अवस्था में बच्चा सर्वप्रथम अपना बाह्य वातावरण से सामन्जस्य बिठाने का पूर्ण प्रयास करता है। इसलिए इसे 'समायोजन अवस्था' भी कहते हैं क्योंकि बालक माँ के गर्भ से बाहर निकलकर बाह्य वातावरण से समायोजन करता है।
80. (A) जन्म के समय रोने से बच्चे में पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन जाती है जिससे उसके मस्तिष्क का विकास होता है और श्वसन किया आरम्भ होती है। यदि कोई बच्चा देरी से रोता है, तो उसके दिमाग में ऑक्सीजन नहीं पहुँचती है।
81. (A) अवलोकन विधि बच्चों के व्यवहार के अध्ययन की एक श्रेष्ठ विधि है। इसमें जन्म के पश्चात् से ही उसकी दिनचर्या और शारीरिक विकास एवं मानसिक क्षमता का सूक्ष्म अवलोकन किया जाता है तथा उसी पर आधारित परिणाम निकाले जाते हैं।
82. (A) हीन भावना के कारण बच्चे प्रायः नाखून चबाने की आदत को सीख लेते हैं। इस कारण के पीछे बच्चों की मानसिक स्थिति को पाया गया है।
83. (D) जीवन में संवेदों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। व्यक्ति के वैयक्तिक और सामाजिक जीवन में संवेदों का योगदान होता है। संवेद

- दो प्रकार के होते हैं—जन्मजात एवं अर्जित संवेग। शिशु के अन्दर प्रायः सभी संवेग पाए जाते हैं—क्रोध, प्रेम, हर्ष, धृणा आदि। डर संवेग एक साल के अन्त तक बच्चे पर प्रभाव डालता है।
84. (D) जन्म के समय शिशु क्रन्दन करता है, यही उसकी पहली भाषा है। इस समय उसे स्वर और व्यंजनों का ज्ञान नहीं होता है। बच्चों के भाषा विकास को उनकी परिपक्वता, स्वास्थ्य और प्रेरणा प्रभावित करती है। 25 सप्ताह बाद शिशु जिस प्रकार की ध्वनियाँ निकालता है उसमें स्वरों की संख्या अधिक होती है। इस प्रकार कई कारणों के साथ बच्चों में भाषा विकास होता है।
85. (A) वस्तुनिष्ठ परीक्षण मुख्यतः स्मरण पर आधारित होते हैं। सर्वप्रथम 1854 में होरेसमेन ने वस्तुनिष्ठ परीक्षण का निर्माण किया था। इसका उदय निबन्धात्मक परीक्षा के विपरीत हुआ था। वस्तुनिष्ठ परीक्षणों में प्रश्नों का स्वरूप ऐसा होता है कि उनका उत्तर पूर्ण रूप से निश्चित होता है।
86. (D) बेतरतीब खेल खेल के उस प्रकार को कहा जाता है जिसमें कई बच्चे एक ही खेल खेलते हैं पर उनको आपस में जुँड़ना नहीं है। सभी की प्रतिक्रिया अलग-अलग होती है। बच्चों के सर्वांगीण विकास में खेल अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन खेलों द्वारा बालकों में त्वरित निर्णय क्षमता, वस्तुओं की जानकारी, समायोजन समन्वय, सद्भाव, साहस और सह-अस्तित्व जैसे गुणों का स्वभाव में स्वतः ही विकास होता है। खेल एकल व सामूहिक दोनों रूपों में खेला जाता है।
87. (C) व्यक्तित्व विकास के लिए बालक-बालिका का सम्बन्ध न अधिक कठोर न अधिक मुक्त अर्थात् नियन्त्रण ऐसा होना चाहिए जिससे उनका विकास न बाधित हो। यदि उनके प्रत्येक कार्य में रुचि ली जाए, उनकी इच्छाओं का भी सम्मान किया जाए तो बालक-बालिका में सहयोग, सद्भावना आदि का विकास होगा और वह सफल नागरिक बनेगा।
88. (A) अर्द्धसूत्री (Meiosis) एक विशेष प्रकार का कोशिका विभाजन है, जो यूकैरिपोट प्राणियों में लैंगिक जनन के लिए आवश्यक है। अर्द्धसूत्रण द्वारा युग्मक कोशिकाएँ पैदा होती हैं। सभी जन्तुओं तथा भूमि पर उगने वाले पौधों सहित अधिकांश जीवधारियों के युग्मकों को अण्ड कोशिका या शुक्राणु कोशिका कहते हैं।
89. (C) संयोजी कोशिकाओं द्वारा प्राणी के शरीर में विभिन्न अंगों को बाँधे रखने का कार्य रूप है। संयोजी कोशिकाओं का मुख्य कार्य संयोजन करना है, अंगों को आच्छादित करना एवं उन्हें सही स्थान पर रखना है। संयोजी कोशिकाएँ (ऊतक) शरीर को एक ढाँचा प्रदान करती हैं। ये उपकला कोशिकाओं की तरह विधिकी नहीं होती है।
90. (B) स्वस्थ शरीर में पेशीयाँ सदा ही थोड़ी कसावट की स्थिति में रहती हैं, ताकि प्रत्येक समय क्रिया के लिए तत्पर रहें। यह तत्परता मसल टोन या पेशी टोन कहलाती है। सामान्य स्थिति में पेशी खुद ही कुछ तनी होती है जिसे टोन (Tone) कहते हैं। टोन के कारण ही पेशीयाँ बिना थके एक-सी स्थिति में रहती हैं। यह क्रिया एक कार्य प्रणाली पर आधारित है जिसके द्वारा अलग-अलग समूह के पेशीय तन्तु संकुचित और शिथिल होते हैं, जो प्रत्येक समूह को आराम और सक्रियता प्रदान करते हैं।
91. (D) जब हड्डियाँ टूट जाती हैं तो रक्त का थक्का जम जाता है, इसे हैमरेज कहा जाता है। अस्थियाँ जीवों का वह कठोर अंग हैं जो अन्तः कंकाल का निर्माण करती हैं। अस्थियाँ विभिन्न आकार और आकृति की होने के साथ वजन में हल्की पर बहुत मजबूत होती हैं।
92. (D) लैकिटक एसिड में संचय के कारण ही माँसपेशियों में थकान पैदा होती है। अगर आपको थकान हो रही है तो नहा लीजिए क्योंकि ताजे ठण्डे पानी के प्रयोग से ये अम्ल टुकड़ों में विभाजित हो जाता है जिससे थकान कम हो जाएगी और व्यक्ति पहले से अधिक तरोताजा हो जाता है।
93. (A) फोलोरिस और मोटापा पौष्टिकता की बढ़ोतरी से होने वाली दो बीमारी हैं। मोटापा वह स्थिति होती है जब अत्यधिक शारीरिक वसा शरीर पर इस सीमा तक एकत्रित हो जाती है कि वह शरीर पर हानिकारक प्रभाव डालने लगती है। मोटापा आयु को कम करता है।
94. (A) रेडियस और अल्ना अस्थियाँ भंग होने पर उसे स्थिर करने के लिए खपच्चियों का प्रयोग करना चाहिए। हमारे हाथों में अस्थियाँ रेडियस अल्ना होती हैं। रेडियस अंगूठे की तरफ पायी जाने वाली हड्डी होती है। अल्ना छाटी अँगुली की तरफ पायी जाने वाली हड्डी होती है। हड्डियों के टूटने पर खपच्चियों का सहारा देकर हम पट्टियों को बाँधते हैं जिससे हड्डी पर अधिक दबाव न पड़े।
95. (D) अस्थि पंजर या कंकाल जो शरीर के मुख्य अक्ष का निर्माण करता है, अक्षीय कंकाल तन्त्र कहलाता है। इनमें सिर, धड़, अग्रांग, मेरुदण्ड, पसलियाँ एवं उरोस्थि होती हैं। रक्त कण, रक्त प्रवाहिनियों में प्रवाहित होने वाला गाढ़ा कुछ चिपचिपा लाल रंग का एक द्रव है। रक्त कण दो प्रकार के होते हैं—लाल और सफेद कण।
96. (A) एसाफिक्विसया या दम घुटना शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति की कमी है जोकि असामान्य तरीके से साँस लेने से होता है। एसाफिक्विसया सामान्याकृत हाइपोक्सिया का कारण बनता है जो मुख्य रूप से ऊतकों और अंगों को प्रभावित करता है।
97. (C) अग्नाशयी रस की निर्मिति ट्रिप्सिनोजेज द्वारा प्रेरित होती है। मुँह से आहार नाल तक खाना खाते समय मुँह से निकलने वाली लार में पाचक एंजाइम होते हैं। यह भोजन को पचाने में सहयोग करते हैं। इसके बाद भोजन आहार नाल से होते हुए आमाशय में जाता है। फिर अग्नाशय से अग्नाशयी रस निकलता है, इसमें तीन प्रक्रिय होते हैं—(1) लाइपेज, (2) रेमिलोज, (3) ट्रिप्सिन।
98. (A) भोजन की लुगदी को काइम कहते हैं। यह अस्त्रीय प्रकृति का होता है। यह आंशिक रूप से पचा हुआ भोजन होता है।
99. (B) लान्ड्री में प्रयुक्त कपड़े धोने की मशीनों में सामान्यतः टम्बलिंग गति होती है जिसके कारण कपड़ों की अच्छी धुलाई हो जाती है और सारा मैल साफ हो जाता है।
100. (C) यकृत या जिगर या कलेजा (Liver) शरीर का एक अंग है, जो केवल कशेंकी प्राणियों में पाया जाता है। इसका कार्य विभिन्न चयापचयों को Detoxify करना, प्रोटीन को संश्लेषित करना और पाचन के लिए आवश्यक जैव रासायनिक बनाना है।
101. (C) जठर रस हमारे आमाशय में रहने वाला एक एसिड होता है जो केवल प्रोटीन को पचाता है। इसे गैट्रिक एसिड भी कहते हैं। खाया हुआ पदार्थ इसी एसिड में बदल जाता है और हमारे शरीर को एनर्जी प्रदान करता है। जठर रस का केवल एक ही कार्य है वह हमारे खाए हुए खाने के लिकिवड में बदल देता है और खाने के साथ जो कुछ बैक्टीरिया या रोगों के जीवाणु खाये जाते हैं, उन्हें वहीं मार गिराता है और हमारे शरीर को खाने से कोई इन्फेक्शन नहीं होने देता है।

- 102.** (B) मानव शरीर में पाचन का अधिकांश भाग छोटी आँत द्वारा सम्पन्न होता है। छोटी आँत (स्माल इन्टेरिट) मानव पाचन तन्त्र का एक महत्वपूर्ण भाग है जो आमाशय से आरम्भ होकर बड़ी आँत पर पूर्ण होती है। छोटी आँत में ही भोजन का सबसे अधिक पाचन और अवशोषण होता है।
- 103.** (B) टेस्टोस्टीरोन एंड्रोजन समूह का एक स्टीरोयॉड हार्मोन है, जो प्राथमिक रूप से नरों में अण्डकोष में व मादाओं में अंडाशय से सावित होता है। आमतौर पर इसे मर्दानगी के रूप में देखा जाता है। इस हार्मोन का पुरुषों की आक्रामकता, चेहरे के बाल, माँसलता और यौन क्षमता से सीधा संबंध है।
- 104.** (A) मस्तिष्क तथा रीढ़ रज्जु में पायी जाने वाली ऊर्जा स्नायु ऊतक कहलाती है। मज्जा या मेरु अस्थियों के अन्दर भरा हुआ एक मुलायम ऊतक होता है। मज्जा रक्त कोशिकाओं का उत्पादन करने वाली स्टेम कोशिकाओं से भरी होती है जो श्वेत रक्त कोशिकाओं, लाल रक्त कोशिकाओं या प्लेटलेट्स में विकसित होती है। लाल मज्जा का आधार संयोजी ऊतक होता है जिसके ढाँचे में तन्तु होते हैं।
- 105.** (D) मस्तिष्क के मुख्य तीन भाग होते हैं—अग्र मस्तिष्क, मध्य मस्तिष्क, लघु मस्तिष्क। मानव मस्तिष्क शरीर का एक आवश्यक अंग होने के कारण साथ-साथ प्रकृति की एक उत्कृष्ट रचना भी है।
- 106.** (B) हमें सदैव नाम से श्वास लेनी चाहिए। नाक के माध्यम से ही हम सूँधकर किसी वस्तु की गन्ध का अनुभव करते हैं। नाक के भीतर एक गीला चिपचिया पदार्थ रहता है। यह चिपचिया पदार्थ बाहर से आने वाली धूल-मिट्टी व अशुद्धियों को अपने से चिपकाकर रोक लेता है। इससे श्वसन तन्त्र के आन्तरिक हिस्सों तक अशुद्धियाँ नहीं पहुँच पातीं। नाक के स्थान पर मुँह से श्वास लेने पर कई रोग पैदा हो सकते हैं।
- 107.** (D) कुष्ठ रोग के लक्षण निम्नलिखित हैं— संवेदना की अनुभूति का समाप्त हो जाना, नाड़ियाँ बढ़ जाना तथा कोमल हो जाना, त्वचा पर बड़ी ग्रन्थियाँ तथा फोड़े होना एवं त्वचा पर चकरे या रंग उड़ना, त्वचा लाल होना आदि। कुष्ठ रोग सदियों पुराना एक रोग है जिसको उस समय छुआछूत की बीमारी समझा जाता था। यह रोग माइकोबेक्टरियम लेप्री नामक जीवाणु से फैलता है। कुष्ठ रोग शिशुओं से लेकर बूढ़े लोगों तक को होता है। इसका इलाज सम्भव है।
- 108.** (B) पशुओं से मनुष्य तक पहुँचने वाला रोग ऐबीज या हाइड्रोफोबिया छूट का रोग है। यह कुत्तों व अन्य जानवरों में होने वाला एक विषाणु जनित रोग है जो लाइशा वायरस से होता है। कुत्तों के द्वारा यह रोग अन्य जानवरों व मनुष्यों में फैलता है, इससे रोगी पशु का व्यवहार बदल जाता है। मुँह से अधिक लार टपकती है व किसी भी वस्तु को काटने लगता है। अन्त में रोगी पशु लकवायरस्त हो जाता है और मर जाता है। मनुष्यों में भी इस रोग के लक्षण प्रायः जानवरों जैसे ही होते हैं।
- 109.** (C) हैजा या विसूचिका जिसे एशियाई माहमारी भी कहते हैं, एक संक्रामक ऑंत्रोशोथ है। विब्रियो कॉलेरी नामक जीवाणु के एंटेरोटाक्सिन उत्पन्न करने वाले उपभेदों के कारण होता है। मनुष्यों में इसका संचरण इस जीवाणु द्वारा दूषित भोजन या दूषित जल द्वारा होता है। अधिकतर हैजा तीर्थ स्थानों और मेलों में फैलता है क्योंकि वहाँ साफ-सफाई कम रहती है।
- 110.** (C) वंशानुक्रम के वाहक जीन्स या गुणसूत्र हैं। गुणसूत्र के अन्दर वंशानुक्रम के अनेक निश्चयात्मक तत्व पाए जाते हैं जिनको पित्रैक (जीन्स) कहा जाता है। एनास्टासी के अनुसार—पित्रैक वंशानुक्रम की विशेषताओं का वाहक है जो किसी-न-किसी रूप से हस्तान्तरित रहता है।
- 111.** (B) जल प्रदूषण का मुख्य स्रोत औद्योगिक अपशिष्ट है। झीलों, नदियों, नहरों, समुद्र तथा अन्य जल निकायों में जब अपशिष्ट या अनेक विषेले पदार्थ प्रवेश करते हैं और पानी में घुल जाते हैं अथवा पानी में पड़ जाते हैं या नीचे इकट्ठे हो जाते हैं जिसके परिणामस्वरूप जल प्रदूषित हो जाता है और इससे जल की गुणवत्ता में कमी आ जाती है तथा जलीय परिस्थिति की प्रणाली प्रभावित होती है।
- 112.** (A) सबसे तीव्र ध्वनि का शोर फौजी राइफल द्वारा होता है। इसको भी ध्वनि प्रदूषक माना गया है। ध्वनि की तीव्रता डेसीबल से मापते हैं। बन्दूक का डेसीबल—160, रॉक संगीत—140, का डेसीबल लाउडप्सीकर हार्न—130 डेसीबल, 100 डेसीबल से अधिक ध्वनि व्यवधान उत्पन्न करती है तथा हानिकारक है।
- 113.** (C) PERT Program Evaluation Review Technique (कार्यक्रम मूल्यांकन और समीक्षा तकनीक) जिसका शाब्दिक अर्थ कार्यक्रम मूल्यांकन एवं पुनरीक्षण तकनीक है।
- 114.** (B) “गृह व्यवस्था एक व्यावहारिक विज्ञान है।” यह कथन निकिल व डार्सी का है जो अपने अध्ययनकर्ताओं का सफल पारिवारिक जीवन व्यतीत करने, आर्थिक-सामाजिक समस्याओं को हल करने एवं सुखमय जीवन-यापन करने की दिशाओं का ज्ञान कराता है।
- 115.** (D) सर्व शिक्षा योजना 2000-2001 में केन्द्र में अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने शुरू की थी। इस योजना का उद्देश्य देश के हर बच्चे को शिक्षा देना था। इसका लक्ष्य प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण है।
- 116.** (C) ग्राम पंचायत का मुखिया सरपंच होता है। इसका चुनाव पाँच साल में होता है। गाँव की जनता जिस व्यक्ति को सर्वधिक वोट करती है मुखिया पद का वही अधिकारी होगा। ग्राम के समस्त विकास की योजनाएँ और उससे सम्बन्धित कार्यों की समस्त जानकारी मुखिया या सरपंच को होती है। मुखिया ग्राम का प्रधान होता है।
- 117.** (D) सांख्यिकी का तात्पर्य व्यवस्थित सांख्यिकीय विधियों से है। सांख्यिकीय तथ्यों, जैसे—आँकड़ों का संकलन, वर्गीकरण, विश्लेषण व निर्वन्धन आदि का प्रयोग करती है। सांख्यिकी का प्रयोग विभिन्न आर्थिक कारों के बीच संबंधों का ज्ञान करना है।
- 118.** (B) साँप द्वारा काटे हुए पीड़ित व्यक्ति की देखभाल करते समय काटे हुए भाग को स्थिर रखना और दिल से नीचे रखना चाहिए। क्योंकि दिल पर विष तुरन्त असर करता है इससे हार्ट फेल होकर कुछ ही मिनटों में मृत्यु हो जाती है, सभी प्रकार के साँप के काटने में गम्भीर ऊतक क्षति होने की सम्भावना होती है। यह विष कोशिकाओं को बड़ा नुकसान पहुँचाता है। एक या दो दिनों में गम्भीर सूजन, दर्द, खून बहने, संयोजक, अतिशोथ आदि त्वचा का काला पड़ना आदि प्रभाव दिख सकते हैं।
- 119.** (D) अनेक प्रकार के रासायनिक पदार्थ भी निःसंक्रमण करते हैं। यह पदार्थ तीनों अवस्थाओं में होते हैं—द्रव, ठोस, गैस आदि। निःसंक्रामक निम्नलिखित रासायन है—कार्बोलिक एसिड, चूना, डी.डी.टी., क्लोरीन आदि।
- 120.** (D) शारीरिक फिटनेस स्वस्थ होने का एकमात्र आधार नहीं है। स्वस्थ होने का मतलब मानसिक और भावनात्मक रूप से फिट होना है। स्वस्थ होना आपकी समग्र जीवन शैली का हिस्सा होना चाहिए। वातावरणीय स्वच्छता व शारीरिक स्वच्छता भी स्वास्थ्य के लिए उत्तम है।

**121.** (A) स्वयं के लिए आन्तरिक मूल्य महत्वपूर्ण है। क्योंकि यह आपको यह आकलन करने में मदद करता है कि आप लाभ में जा रहे हैं या नहीं। यदि किसी में आन्तरिक मूल्यों का विकास ठीक से नहीं हुआ है तो उसका व्यवितरण पूर्ण विकसित नहीं है।

**122.** (D) वैयक्तिक एवं परिवार की रुचि की गृह में सज्जा अभिव्यक्ति है। वास्तव में हर एक घर की गृह-सज्जा को देखने से जिस भाव की अनुभूति होती है उसको ही गृह-सज्जा की अभिव्यक्ति कहते हैं।

**123.** (D) मानव व्यवहार में प्रेरणा तत्व है—मूल्य, स्तर और लक्ष्य। रेबर तथा रेबर के अनुसार “प्रेरणा व्यवहार का एक शक्ति चालक है” अभिप्रेरणा मानव को अनुक्रिया करने हेतु अतिरिक्त ऊर्जा प्रदान करती है तथा इस ऊर्जा से व्यक्ति प्रबल अनुक्रियाँ करता है। अभिप्रेरणा से व्यक्ति का व्यवहार चयनात्मक एवं लक्ष्योन्मुखी होता है।

**124.** (A) कॉफी बनाना आदतन निर्णय का एक उदाहरण है। क्योंकि कॉफी या चाय एक ऐसी वस्तु है जो धीरे-धीरे व्यक्ति की

आदत में शामिल हो जाती है और वह अपनी आदत के अनुसार कॉफी बनाता है।

**125.** (C) पेट्रोल एक ज्वलनशील पदार्थ है। यह पेट्रोलियम से प्राप्त तरल मिश्रण है। इसे प्राथमिकता से अन्तर्दहन इंजन में ईंधन के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसे सूखी धुलाई के लिए भी प्रयोग में लाते हैं। इसे एसीटोन की तरह एक शक्तिशाली धुलनशील द्रव्य की तरह भी प्रयोग में लाते हैं।

● ●